लेखाशास्त्र

अध्याय-4: साझेदारी फर्म का पुनर्गठन - साझेदार की सेवानिवृत्ति-मृत्यु

SHIVOM CLASSES
8696608541

साझेदारी फर्म

भागीदारी या साझेदारी (partnership) व्यावसायिक संगठन का एक स व्यक्तियों का पारस्परिक संबंध है, जिसमें लाभ कमाने के उद्देश्य से एक व्यावसायिक उद्यम का गठन किया जाता है। वे व्यक्ति जो एक साथ मिलकर व्यवसाय करते है, उन्हें व्यक्तिगत रूप से 'साझेदारी' (पार्टनरशिप) और सामूहिक रूप से 'फर्म' कहा जाता है। जिस नाम से व्यवसाय किया जाता है उसे 'फर्म का नाम' कहते हैं। सुलतान एंड कंपनी, रामलाल एंड कंपनी, गुप्ता एंड कंपनी आदि कुछ फर्मों के नाम हैं।

साझेदारी फर्म, भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के प्रावधनों के अंतर्गत नियंत्रित होती है। भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धरा 4 के अनुसार साझेदारी उन व्यक्तियों का आपसी संबंध है, जो उन सबके द्वारा या उन सबकी ओर से किसी एक साझेदार द्वारा संचालित व्यवसाय का लाभ आपस में बांटने के लिए सहमत होते हैं।

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन

SHIVOM CLASSES 8696608541

साझेदारी दो या दो से अधिक व्यक्तियों के मध्य एक समझौता है जो एक व्यवसाय के लाभों को बाँटने के लिए सहमत होते हैं, जिनका संचालन उन सबके द्वारा या उन सबकी ओर से उनमें से किसी के द्वारा किया जाता है। विद्यमान समझौते में किसी प्रकार का परिवर्तन, साझेदारी फर्म का पुनर्गठन कहलाता है।

व्यावसायिक संगठन के साझेदारी स्वरूप की विशेषताएँ

- दो या अधिक सदस्य : साझेदारी व्यवसाय के लिए कम से कम दो व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। परंतु बैंकिंग व्यवसाय में यह संख्या 10 से और साधारण व्यवसाय में 20 से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- अनुबंध : जब भी आप साझेदारी व्यवसाय शुरू करने के लिए दूसरों को साथ लेते हैं तो आप सबके बीच समझौता या अनुबंध होना जरूरी है। समझौते के विलेख (deed) में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होती हैं :
  - प्रत्येक साझेदार द्वारा विनियोग की जाने वाली पूँजी की राशि,
  - लाभ-हानि के बंटवारे का अनुपात,
  - साझेदार को दिया जाने वाला वेतन या कमीशन (यदि दिया जाना हो),
  - व्यवसाय की अवधि,
  - फर्म तथा साझेदारों के नाम और पते,
  - प्रत्येक साझेदार के अधिकार और कर्त्तव्य,
  - व्यवसाय का स्वरूप और स्थान,
  - व्यवसाय के संचालन के लिए अन्य कोई भी शर्त।
- **वैध-व्यवसाय :** साझेदारों को सदैव वैध-व्यवसाय चलाने के लिए ही एक साथ कार्य करने चाहिए। तस्करी, कालाबाजारी इत्यादि को कानून दृष्टि से साझेदारी व्यवसाय नहीं माना जा सकता।
- **लाभ विभाजन :** प्रत्येक साझेदारी फर्म का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय से होने वाले लाभ को तय किए गए अनुपात के अनुसार बांटना है। यदि साझेदारों में इस संबंध में कोई समझौता नहीं हुआ है तो लाभ साझेदारों में बराबर-बराबर बांटा जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **असीमित देनदारी :** एकल स्वामित्व वाले व्यवसाय की तरह साझेदारी व्यवसाय में भी सदस्यों की देनदारी असीमित होती है। इस प्रकार यदि व्यवसाय के दायित्वों का भुगतान करने के लिए फर्म की सम्पतियां अपर्याप्त है, तो इसके लिए साझेदारों की निजी संपत्ति का उपयोग किया जा सकता है।
- **स्वैच्छिक पंजीकरण :** साझेदारी फर्म का पंजीकरण करना अनिवार्य नहीं है। हां, यदि आप फर्म का पंजीकरण नहीं कराते, तो आप कुछ लाभों से वंचित रह सकते हैं। इसलिए पंजीकरण करा लेना उचित होगा। पंजीकरण न कराने के कुछ बुरे परिणाम इस प्रकार हैं-
- आपकी फर्म दावों के निपटारे के लिए किसी दूसरी पार्टी के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई नहीं कर सकती।
- यदि साझेदारों में आपस में कोई विवाद हो जाए तो इसके समाधन के लिए न्यायालय की सहायता नहीं ली जा सकती।
- आपकी फर्म बकाया या भुगतान के मामले में किसी दूसरी पार्टी से समायोजन का दावा न्यायालय में नहीं कर सकती।
- **स्वामी-एजेंट सम्बन्ध :** किसी भी फर्म के साझेदार व्यवसाय के संयुक्त स्वामी होते हैं। उन सबको इस फर्म के प्रबन्धन में सक्रिय रूप से भाग लेने का समान अधिकर है। प्रत्येक साझेदार फर्म के प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकता है। जब कोई साझेदार किसी अन्य पक्ष से व्यवसाय संबंधी लेनदेन करता है तो वह अन्य साझेदारों के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है और उसी समय अन्य साझेदार स्वामी बन जाते हैं इस प्रकार सभी साझेदारी फर्मों में साझेदारों के बीच आपस में स्वामी-एजेंट का संबंध होता है।
- **व्यापार की निरन्तरता :** साझेदारी फर्म के किसी साझेदार के मरने, पागल या दिवालिया हो जाने से फर्म का अंत हो जाता है। इसके अलावा भी फर्म के सभी साझेदार जब चाहें साझेदारी समाप्त कर फर्म भंग कर सकते हैं।

साझेदारी व्यवसाय के लाभ

- **सरल स्थापना :** एकल स्वामित्व की तरह साझेदारी व्यवसाय का गठन भी आसान है और इसके लिए किसी कानूनी औपचारिकता की आवश्यकता नहीं है। साझेदारी फर्म का

SHIVOM CLASSES 8696608541

पंजीकरण भी आवश्यक नहीं है। साझेदार आपस में मौखिक या लिखित अनुबंध के आधार पर साझेदारी फर्म का गठन कर सकते हैं।

- **अधिक संसाधनों की उपलब्धता :** चूंकि साझेदारी व्यवसाय का आरंम्भ दो या दो से अधिक व्यक्ति करते हैं, इसलिए इस व्यवसाय में एकल स्वामित्व की तुलना में अधिक पूँजी लगाई जा सकती है। एकल स्वामी की तुलना में साझेदार अधिक संसाध्न लगा सकते हैं। साझेदार अधिक पूँजी लगा सकते हैं तथा व्यवसाय के लिए अधिक श्रम और समय दे सकते हैं।
- **संतुलित निर्णय :** साझेदार ही व्यवसाय के स्वामी हैं। उनमें से प्रत्येक को व्यवसाय के प्रबंध में भाग लेने के समान अधिकर हैं। कोई मतभेद होने पर वे आपस में बैठ कर टकराव की स्थिति को टाल सकते हैं। इस व्यवसाय में सभी साझेदार आपस में मिल कर निर्णय लेते हैं। इसलिए निर्णय में जल्दबाजी और बिना सोचे समझे निर्णयों की गुंजाइश कम रहती है।
- **हानियों का विभाजन :** साझेदारी व्यवसाय में सभी साझेदार मिल कर जोखिम उठाते हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी साझेदारी फर्म में तीन साझेदार हैं और लाभों को बराबर विभाजित करते हैं तथा किसी समय फर्म को 12,000 रूपए की हानि होती है तो तीनों साझेदार चार-चार हजार की हानि का बोझ उठाएंगें।

साझेदारी व्यवसाय की सीमाएँ

- **असीमित देनदारी :** सभी साझेदार फर्म के ऋणों के भुगतान के लिए संयुक्त रूप से और व्यक्तिगत रूप से भी असीमित स्तर तक उत्तरदायी होते हैं। इसलिए फर्म के ऋणों का भुगतान या तो सभी साझेदार मिलकर कर सकते हैं या फिर किसी एक साझेदार को अपनी व्यक्तिगत संपत्ति से सारे ऋणों का भुगतान करना पड़ सकता है।
- **अनिश्चित अस्तित्व :** साझेदारी व्यवसाय का अपने साझेदारों से अलग कोई कानूनी अस्तित्व नहीं होता। किसी भी साझेदार की मृत्यु, दिवालियापन, अक्षमता या उसकी सेवानिवृत्ति से साझेदारी फर्म प्रायः समाप्त हो जाती है। इसके अतिरिक्त कोई भी असंतुष्ट साझेदार जब चाहे साझेदारी भंग करने का नोटिस दे सकता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **सीमित पूँजी :** चूंकि साझेदारी व्यवसाय में साझेदारों की संख्या 20 से अधिक नहीं हो सकती, इसलिए इसमे ज्यादा पूँजी की व्यवस्था कर पाना कठिन है। अतः साझेदारी में कोई बड़ा व्यवसाय प्रारंभ करना संभव नहीं है।
- **शेयरों का हस्तान्तरण नहीं :** यदि आप किसी साझेदारी फर्म में हिस्सेदारी हैं तो दूसरे साझेदारों की सहमति के बिना आप किसी बाहरी पक्ष को अपना हित हस्तांतरित नहीं कर सकते। ऐसे में उस साझेदार को असुविध होती है, जो फर्म से अलग होना चाहता है या अपना शेयर दूसरों को बेचना चाहता है।

बलिदान अनुपात और लाभ अनुपात के बीच अंतर

बलिदान अनुपात पुराने साझेदारों द्वारा फर्म में प्रवेश करने वाले के पक्ष में किए गए लाभ के हिस्से के रूप में बलिदान का अनुपात है। दूसरी ओर, लाभ का अनुपात लाभ के हिस्से में लाभ का अनुपात है, जो जारी साझेदार द्वारा प्राप्त किया जाता है जब भागीदारों में से एक इस्तीफा दे देता है या फर्म छोड़ देता है ।

प्रॉफिट शेयरिंग रेशियो में बदलाव

प्रॉफिट शेयरिंग रेशियो (PSR) में बदलाव निम्नलिखित कारणों से होता है:

- एक साझेदार द्वारा दूसरे से लाभ का हिस्सा खरीदने से लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होता है।
- किसी भागीदार का प्रवेश या निकास
- सभी भागीदारों की आपसी सहमति

इसलिए, लाभ-साझाकरण अनुपात में परिवर्तन के कारण, कुछ भागीदारों को लाभ होता है और कुछ भागीदारों को हानि होती है। इसलिए, प्राप्त करने वाला भागीदार, पूंजी के रूप में राशि का भुगतान करके, खोने वाले भागीदार को क्षतिपूर्ति करता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तुलना के लिए आधार	बलिदान अनुपात	अनुपात प्राप्त करना
अर्थ	त्याग अनुपात उस अनुपात को संदर्भित करता है जिसमें फर्म के पुराने साझेदार आने वाले साझेदार के पक्ष में लाभ के अपने हिस्से को छोड़ देते हैं या आत्मसमर्पण कर देते हैं।	गेनिंग रेशियो से तात्पर्य उस अनुपात से है जिसमें फर्म के शेष भागीदार सेवानिवृत्त होने वाले साझेदार के लाभ के हिस्से को साझा करते हैं।
आयोजन	नए साझेदार का प्रवेश, एक भागीदार द्वारा अन्य भागीदारों से अर्जित शेयर या आपसी सहमति से लाभ बंटवारे के अनुपात में परिवर्तन।	किसी भागीदार की मृत्यु या सेवानिवृत्ति या आपसी सहमति से लाभ बंटवारे के अनुपात में परिवर्तन पर।
उद्देश्य	मौजूदा भागीदारों को देय ख्याति की राशि का पता लगाने के लिए, जब एक नया भागीदार फर्म में प्रवेश करता है।	रहने वाले भागीदारों द्वारा सेवानिवृत्त साझेदार को भुगतान की जाने वाली सद्भावना के हिस्से का पता लगाना।
पूंजी पर प्रभाव	नए साझेदार द्वारा फर्म को ख्याति के रूप में प्राप्त राशि से पुराने साझेदारों के पूंजी खातों में वृद्धि की जाएगी।	जो साझेदार सेवानिवृत्त होता है उसे ख्याति के लिए भुगतान किया जाता है और व्यापार में रहने वाले भागीदारों के पूंजी खातों को सद्भावना के रूप में

SHIVOM CLASSES 8696608541

तुलना के लिए आधार	बलिदान अनुपात	अनुपात प्राप्त करना
		भुगतान की गई राशि के साथ घटा दिया जाएगा।
गणना विधि	पुराने अनुपात से नया अनुपात काट लिया जाता है।	पुराने अनुपात को नए अनुपात से काट लिया जाता है।

बलिदान अनुपात की परिभाषा

नए साझेदार के प्रवेश पर, पुराने साझेदारों को नए साझेदार को लेने के लिए अपने लाभ के हिस्से का व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से त्याग करने की आवश्यकता होती है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि नए साझेदार को एक निश्चित हिस्सा देने के बाद, पुराने साझेदारों के बीच वितरण के लिए कम हिस्सा बचा रहता है। इसलिए, नए साझेदार का हिस्सा मौजूदा भागीदारों, या कभी-कभी किसी एक भागीदार के हिस्से को कम कर देगा।

अतः बलिदान अनुपात की गणना करते समय सबसे पहले प्रत्येक साथी द्वारा किये गये त्याग की गणना की जाती है और फिर उनके बलिदान का अनुपात निर्धारित किया जाता है।

दूसरे शब्दों में, एक नए साथी के प्रवेश के समय, पुराने साझेदार अपने हिस्से का एक निश्चित हिस्सा नए के पक्ष में छोड़ देते हैं। इसलिए, **जिस अनुपात में नए साझेदार पुराने साझेदार अपने लाभ के हिस्से का त्याग करते हैं, उसे त्याग अनुपात कहा जाता है** ।

बलिदान अनुपात का सूत्र

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

SHIVOM CLASSES 8696608541

एक नए साथी का प्रवेश

एक नए साझेदार को फर्म में तभी प्रवेश दिया जाता है जब सभी मौजूदा साझेदार इससे सहमत हों। अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता होने पर या फर्म की प्रबंधकीय क्षमता को मजबूत करने के लिए एक नया भागीदार फर्म में प्रवेश करता है।

बलिदान अनुपात क्यों निर्धारित किया जाता है?

नए साझेदारों द्वारा फर्म को लाई गई ख्याति के प्रीमियम को पुराने साझेदारों में उसी अनुपात में विभाजित करने के लिए त्याग अनुपात निर्धारित किया जाता है। इसके अलावा, यह भी निर्धारित किया जा सकता है कि जब कोई एक भागीदार अन्य भागीदारों से हिस्सा प्राप्त करता है।

उदाहरण-

मान लीजिए कि एक फर्म अली और प्रिया में दो साझेदार हैं, जो लाभ और हानि को 3:2 के अनुपात में बाँटते हैं। वे श्रेया को व्यवसाय में स्वीकार करते हैं और लाभ और हानि के बंटवारे का नया अनुपात 3:2:1 है। तो, त्याग अनुपात होगा:

अली का बलिदान:

$$\frac{3}{5}-\frac{3}{6}=\frac{18-15}{30}=\frac{3}{30}$$

प्रिया का बलिदान:

$$\frac{2}{5}-\frac{2}{6}=\frac{12-10}{30}=\frac{2}{30}$$

- अली और प्रिया के बीच बलिदान का अनुपात 3:2 है।

याद करने के लिए बिंदु-

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- दो अनुपातों की गणना का मुख्य उद्देश्य लाभ-साझाकरण अनुपात में परिवर्तन होने पर लाभ प्राप्त करने वाले भागीदारों द्वारा बलिदान करने वाले भागीदारों को वितरित की जाने वाली सद्भावना की मात्रा का पता लगाना है।
- साझेदारों के त्याग/लाभ की गणना के समय, जब सभी भागीदारों की सहमति से लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होता है, तो पुराने हिस्से से नया हिस्सा काट लिया जाता है। इसके अलावा, यदि प्राप्त परिणाम सकारात्मक है तो यह एक बलिदान है, यदि यह नकारात्मक है, तो यह लाभ का संकेत देता है।

अनुपात प्राप्त करने की परिभाषा

एक साझेदार की सेवानिवृत्ति के समय उसका हिस्सा शेष साझेदारों को हस्तांतरित कर दिया जाता है। तो, **लाभ अनुपात वह अनुपात है जिसमें निरंतर साझेदार सेवानिवृत्त होने वाले के हिस्से से लाभ प्राप्त करते हैं** ।

साझेदार के सेवानिवृत्त होने पर शेष साझेदारों को लाभ प्राप्त होता है। तो, लाभ-बंटवारा अनुपात जिसे सेवानिवृत्त भागीदार पीछे छोड़ देता है, फर्म के शेष भागीदारों द्वारा लिया जाता है। इसलिए, सेवानिवृत साझेदारों को निवृत्त होने वाले साझेदार के हिस्से में से एक निश्चित अनुपात प्राप्त होता है। शेष साझेदारों को यह अतिरिक्त हिस्सा, सेवानिवृत्त साझेदार के हिस्से में से, या तो पहले के सापेक्ष अनुपात में या एक सहमत अनुपात में प्राप्त होता है।

इसके अलावा, इस अनुपात की गणना के उद्देश्य से, प्रत्येक शेष भागीदार का लाभ निर्धारित किया जाता है, जिसे अनुपात के रूप में दर्शाया जाता है। तो, हम कह सकते हैं कि

अनुपात प्राप्त करने का सूत्र

लाभ अनुपात = नया अनुपात - पुराना अनुपात

एक साथी की सेवानिवृत्ति

एक भागीदार की सेवानिवृत्ति तब हो सकती है जब सभी भागीदार इसके लिए अपनी सहमति दें, या जब कोई स्पष्ट समझौता हो, या नोटिस देकर।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लाभ अनुपात क्यों निर्धारित किया जाता है?

लाभ अनुपात के निर्धारण के पीछे का उद्देश्य प्रत्येक साझेदार द्वारा सद्भावना के भुगतान में किए जाने वाले योगदान की पहचान करना है, जो इस तरह की सेवानिवृत्ति से लाभान्वित होता है।

उदाहरण

मान लीजिए कि एक फर्म एडवर्ड, बिल और शर्ली में 3 साझेदार हैं, जिनका लाभ और हानि का अनुपात 5: 3: 2 है। बिल फर्म से सेवानिवृत्त होता है। बिल के सेवानिवृत्त होने के बाद, नया अनुपात जिसमें एडवर्ड और शर्ली लाभ और हानि साझा करेंगे, 2:1 है।

एडवर्ड का लाभ = नया अनुपात - पुराना अनुपात

$$\frac{2}{3}-\frac{5}{10}=\frac{20-15}{30}=\frac{5}{30}$$

शर्ली का लाभ = नया अनुपात - पुराना अनुपात

$$\frac{1}{3}-\frac{2}{10}=\frac{10-6}{30}=\frac{4}{30}$$

इस प्रकार, एडवर्ड और शर्ली का लाभ अनुपात 5:4 . है

बलिदान अनुपात और लाभ अनुपात के बीच महत्वपूर्ण अंतर

जैसा कि हमने उदाहरणों के साथ इन दोनों अनुपातों के अर्थ और सूत्र पर चर्चा की है, आइए हम अनुपात और लाभ अनुपात के बीच के अंतर को विस्तार से समझते हैं:

1. त्याग अनुपात पुराने भागीदारों के लाभ विभाजन अनुपात में कमी के अनुपात को इंगित करता है जब एक नया भागीदार फर्म में शामिल होता है। इसके विपरीत, लाभ अनुपात का तात्पर्य सेवानिवृत्त साझेदार के हिस्से में से जारी साझेदारों के लाभ-साझाकरण अनुपात में वृद्धि के अनुपात से है।
2. त्याग अनुपात की गणना मौजूदा भागीदारों को देय ख्याति की राशि निर्धारित करने के लिए की जाती है जब एक नया भागीदार फर्म में प्रवेश करता है। इसके विपरीत, लाभ के अनुपात

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

की गणना, रहने वाले भागीदारों द्वारा सेवानिवृत्त साझेदार को भुगतान की जाने वाली सद्भावना के हिस्से का पता लगाने के लिए की जाती है।

3. त्याग अनुपात की गणना तब की जाती है जब एक नए भागीदार को फर्म में भर्ती किया जाता है। दूसरी ओर, लाभ अनुपात की गणना तब की जाती है जब एक भागीदार फर्म से सेवानिवृत्ति लेता है।
4. त्याग अनुपात की गणना करने के लिए पुराने अनुपात को नए अनुपात से घटा दिया जाता है, जबकि लाभ अनुपात की गणना के लिए पुराने अनुपात से नया अनुपात घटा दिया जाता है।
5. पूंजी पर, बलिदान का प्रभाव यह है कि पुराने भागीदारों के पूंजी खातों में वृद्धि होगी, नए साझेदार द्वारा फर्म को लाए गए सद्भावना के रूप में प्राप्त राशि के साथ। इसके विपरीत, लाभ का पूंजी पर प्रभाव यह है कि सेवानिवृत्त होने वाले साथी को सद्भावना के लिए भुगतान किया जाता है और व्यापार में रहने वाले भागीदारों के पूंजी खातों को प्रत्येक भागीदार द्वारा सद्भावना के रूप में भुगतान की गई राशि के साथ कम कर दिया जाएगा।

उदाहरण

डेविड, पीटर और जेन एक फर्म के तीन साझेदार हैं जो लाभ और हानि को 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। अनुपात में परिवर्तन के कारण प्रत्येक भागीदार का त्याग या लाभ।

दाऊद का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात-नया अनुपात

$$\frac{2}{6}-\frac{2}{5}=\frac{15-12}{30}=\frac{3}{30}\text{ (Sacrifice)}$$

पतरस का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात-नया अनुपात

$$\frac{2}{6}-\frac{2}{5}=\frac{10-12}{30}=\frac{-2}{30}\text{ (Gain)}$$

SHIVOM CLASSES 8696608541

झेन का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात - नया अनुपात

$$\frac{1}{6}-\frac{1}{5}=\frac{5-6}{30}=\frac{-1}{30}\text{ (Gain)}$$

लाभ अनुपात का योग बलिदान अनुपात के योग के बराबर होगा।

बलिदान अनुपात और लाभ अनुपात के बीच महत्वपूर्ण अंतर

जैसा कि हमने उदाहरणों के साथ इन दोनों अनुपातों के अर्थ और सूत्र पर चर्चा की है, आइए हम अनुपात और लाभ अनुपात के बीच के अंतर को विस्तार से समझते हैं:

1. त्याग अनुपात पुराने भागीदारों के लाभ विभाजन अनुपात में कमी के अनुपात को इंगित करता है जब एक नया भागीदार फर्म में शामिल होता है। इसके विपरीत, लाभ अनुपात का तात्पर्य सेवानिवृत्त साझेदार के हिस्से में से जारी साझेदारों के लाभ-साझाकरण अनुपात में वृद्धि के अनुपात से है।
2. त्याग अनुपात की गणना मौजूदा भागीदारों को देय ख्याति की राशि निर्धारित करने के लिए की जाती है जब एक नया भागीदार फर्म में प्रवेश करता है। इसके विपरीत, लाभ के अनुपात की गणना, रहने वाले भागीदारों द्वारा सेवानिवृत्त साझेदार को भुगतान की जाने वाली सद्भावना के हिस्से का पता लगाने के लिए की जाती है।
3. त्याग अनुपात की गणना तब की जाती है जब एक नए भागीदार को फर्म में भर्ती किया जाता है। दूसरी ओर, लाभ अनुपात की गणना तब की जाती है जब एक भागीदार फर्म से सेवानिवृत्ति लेता है।
4. त्याग अनुपात की गणना करने के लिए पुराने अनुपात को नए अनुपात से घटा दिया जाता है, जबकि लाभ अनुपात की गणना के लिए पुराने अनुपात से नया अनुपात घटा दिया जाता है।
5. पूंजी पर, बलिदान का प्रभाव यह है कि पुराने भागीदारों के पूंजी खातों में वृद्धि होगी, नए साझेदार द्वारा फर्म को लाए गए सद्भावना के रूप में प्राप्त राशि के साथ। इसके विपरीत, लाभ का पूंजी पर प्रभाव यह है कि सेवानिवृत्त होने वाले साथी को सद्भावना के लिए

SHIVOM CLASSES 8696608541

भुगतान किया जाता है और व्यापार में रहने वाले भागीदारों के पूंजी खातों को प्रत्येक भागीदार द्वारा सद्भावना के रूप में भुगतान की गई राशि के साथ कम कर दिया जाएगा।

उदाहरण

डेविड, पीटर और जेन एक फर्म के तीन साझेदार हैं जो लाभ और हानि को 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। अनुपात में परिवर्तन के कारण प्रत्येक भागीदार का त्याग या लाभ।

दाऊद का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात-नया अनुपात $\frac{2}{6}-\frac{2}{5}=\frac{15-12}{30}=\frac{3}{30}$ (Sacrifice)

पतरस का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात-नया अनुपात $\frac{2}{6}-\frac{2}{5}=\frac{10-12}{30}=\frac{-2}{30}$ (Gain)

झेन का बलिदान/लाभ :

पुराना अनुपात - नया अनुपात

$$\frac{1}{6}-\frac{1}{5}=\frac{5-6}{30}=\frac{-1}{30}\ \text{(Gain)}$$

लाभ अनुपात का योग बलिदान अनुपात के योग के बराबर होगा।

जर्नल प्रविष्टि

बलिदान अनुपात

Date	Particulars	L.F.	Debit Amount	Credit Amount
	New Partner's Capital A/c Dr.			
	To Old Partner's Capital A/c			

अनुपात प्राप्त करना

Date	Particulars	L.F.	Debit Amount	Credit Amount
	Remaining Partner's Capital A/c Dr.			
	To Retiring Partner's Capital A/c			

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ख्याति

सरल शब्दों में ख्याति से हमारा आशय व्यवसाय की प्रसिद्धि के मूल्य से होता है। ख्याति एक संपत्ती हैं जिसे देखा नही जा सकता। ख्याति वह आकर्षण हैं जो ग्राहकों को अपनी और खीच लेती हैं।

ख्याति का वर्णन करना जितना आसान है उतना ही अधिक कठिन उसे परिभाषित करना है। व्यापारिक दृष्टिकोण से ख्याति को एक ऐसे तत्व के रूप में माना जा सकता है जिसके कारण अथवा जिसके द्वारा व्यवसाय में विनियोग की पूंजी पर सामान्य से अधिक लाभ कमाया जा सकता है।

ख्याति के मूल्यांकन की विधियां

ख्याति व्यवसाय की एक अदृश्य सम्पत्ति है, इसलिये इसका वास्तविक मूल्यांकन असंभव है। इसके सम्बंध में सिर्फ अनुमान लगाया जा सकता है। ख्याति का मूल्यांकन करना कुछ परिस्थितियों में आवश्यक हो जाता है। ख्याति का मूल्यांकन दो आधार पर किया जा सकता हैं--

औसत लाभ तथा अधिलाभ

आशंसित लाभ से हमारा आशय उस लाभ से है जिसे भविष्य में कायम रखा जा सकता है तथा अधिलाभ से हमारा आशय उस लाभ से होता है जो आशंसित लाभ अथवा सामान्य लाभ पर आधिक्य होता है ।

उपरोक्त दोनों आधारों में से किसी एक को आधार मानकर निम्नलिखित विधियों में से किसी एक विधि से ख्याति का मूल्यांकन किया जा सकता है।

ख्याति के मूल्यांकन की प्रमुख विधियां निम्नलिखित हैं--

1. औसत लाभ विधि

इस विधि के अनुसार पिछले कुछ लाभों को जोड़कर औसत ज्ञात किया जाता है और इस औसत को कुल वर्षो के क्रय के बराबर करके ख्याति मूल्य ज्ञात किया जाता है। यह औसत दो प्रकार से ज्ञात किया जा सकता है-

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) सरल औसत- इसके लिये जितने वर्षों के लाभ जोड़े गये हैं, उतने से भाग किया जाता है ।

(ब) भारित औसत- भारित औसत ज्ञात करने के लिये सर्वप्रथम भार तय किये जाते हैं। यह भार प्रथम वर्ष के लिये, द्वितीय वर्ष के लिये, तृतीय वर्ष के लिये और इसी प्रकार अगामी वर्ष के लिये मान लिये जाते हैं। इसके फाद सम्बन्धित वर्षो का इन भारों से गुणा किया जाता है। अन्त में गुणा किये हुये लाभों को जोड़कर भारों के योग से भाग करने पर भारित औसत ज्ञात कर लिया जाता है।

2. अधिलाभ विधि

इस विधि के अनुसार फर्म में जो पूंजी लगायी गयी है, उतनी ही पूंजी पर अन्य दूसरी फमर्म जिस दर से लाभ कमा रही हो, उस दर से यदि फर्म का लाभ अधिक है, (जिसकी ख्याति की गणना की जा रही है) तो यह अतिरिक्त लाभ कहलाता है तथा यह फर्म की विशेषता के कारण ही होता है । प्रायः लेखापाल इसकी गणना औसत लाभ के ब्याज की दर से करते हैं। औसत लाभ का ब्याज के ऊपर जितना आधिक्य होता है, उसे ही अधिलाभ कहते हैं। इस अधिलाभ को साझेदारी संलेख में निश्चित की गयी किसी संख्या से गुणा करते हैं। इस प्रकार से ख्याति का मूल्यांकन किया जा सकता है।

3. पूंजीकरण विधि

इस विधि से ख्याति के मूल्यांकन हेतु लाभों का पूंजीकरण किया जाता है तथा लाभों के पूंजीकरण हेतु ब्याज की सामान्य लाभ-दर का प्रयोग किया जाता है। पूंजीकरण से आशय यह है कि सामान्य ब्याज की दर से एक अमुक लाभ की रकम पाने के लियें कितनी पूंजी की आवश्यकता होगी? पूंजीकरण निर्धारित लाभ व अधिलाभ दोनों का ही किया जा सकता है। इस विधि द्वारा ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभांश के आधार पर किया जाता है। इसमें औसत लाभों को 100 से गुणा करके तथा इसी प्रकार अन्य फर्मो की सामान्य लाभ-दर से भाग देकर उसमें में शुद्ध सम्पत्तियों को घटा दिया जाता है और इस प्रकार बची हुयी राशि ख्याति कहलाती है।

4. वार्षिकी विधि

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

इस विधि में एक उचित अवधि के लिये एक निर्धारित दर पर अधिलाभांश की राशि का वर्तमान मूल्य निकाला जाता है। यह मूल्य वार्षिकी सारणी से या सूत्र द्वारा ज्ञात किया जा सकता है। यही मूल्य ख्याति का मूल्य होता है। यदि औसत साधारण लाभ को अधिलाभ के स्थान पर वार्षिकी माना जाता है तो इस औसत साधारण लाभ का वार्षिकी सारणी या सूत्र द्वारा वर्तमान मूल्य निकाला जाता है। इस मूल्य में से शुद्ध सम्पत्तियों का मूल्य अथवा लगायी गयी पूंजी को घटाने के बाद ख्याति की राशि ज्ञात की जाती है।

ख्याति के मूल्यांकन की दशायें

1. कम्पनी की दशा में

(अ) जब दो कम्पनियें का एकीकरण हों ।

(ब) जब एक कम्पनी दूसरी कम्पनी का संविलयन करे।

(स) जब अंशों का मूल्यांकन करारोपण के उद्देश्य से किया जाये और स्कंध विपणि के द्वारा अंशों का मूल्य उपलब्ध न हो।

(द) जब कम्पनी ने पहले ख्याति को अपलिखित कर दिया हो और लाभ-हानि खाते की डेबिट बाकी को कम करने के लिए ख्याति का फिर से बनाया जाना आवश्यक हो।

(ई) कम्पनी पर नियंत्रण करने के लिए कम्पनी के अधिक अंश क्रय करने पर।

(फ) कम्पनी की बिक्री पर।

(ज) अन्य दशाओं के क्रय करने पर।

2. एक साझेदारी संस्था की दशा में

(अ) साझेदार के प्रवेश, अवकाश ग्रहण, मृत्यु की दशा में।

(ब) साझेदार के लाभ, अनुपात में परिवर्तन होने पर।

(स) साझेदारी व्यवसाय की बिक्री पर।

(द) साझेदारी को कम्पनी में परिवर्तित करने पर।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ई) साझेदारी संस्थाओं के एकीकरण पर।

3. अन्य दशाओं में

(अ) व्यापारी की मृत्यु पर सम्पत्ति कर लगने पर।

(ब) किसी व्यापार को सरकार द्वारा अनिवार्य योजना के अन्तर्गत लेने पर।

(स) एक व्यवसाय की बिक्रि होने पर।

(द) व्यवसाय के पुनर्संगठित होने पर।

(ई) एकाकी व्यापारी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को साझेदार बनाने पर।

ख्याति के मूल्यांकन पर प्रभाव डालने वाले तथ्य

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि विक्रेता एवं क्रेता दोनो ही भविष्य के लाभों को ख्याति के मूल्यांकन का आधार बनाते हैं, परन्तु वास्तव में इसके अतिरिक्त अन्य बहुत-से तथ्य हैं जिनका विचार ख्याति के मूल्यांकन के समय किया जाता है। इनमें से प्रमुख तथ्यों का वर्णन आगे किया गया है-

(अ) आन्तरिक तथ्य

आन्तरिक तथ्यों के अन्तर्गत निम्नांकित आते है:-

1. **ख्याति को बनाने में किये गये व्यय** लगातार ख्याति वृद्धि के लिए किये गये व्ययों द्वारा ख्याति बढ़ती है ।
2. **प्रबन्ध पर किया गया व्यय-** यदि प्रबन्ध पर विशेष प्रकार के व्यय किये गये हैं और व्यापार क्रय किये जाने के पश्चात् नये क्रेता की योग्यता एवं क्षमता के कारण इन व्ययों के कम होने की आशा है तो लाभ बढ़ेगें और अधिक लाभ होने पर ख्याति का अधिक मूल्य होगा । यदि क्रेता यह समझता है कि प्रबन्ध के वर्तमान व्ययों के अतिरिक्त कुछ अन्य व्यय भी उसे करने पड़ेंगे और उनकी तुलना में लाभ में कोई वृद्धि नहीं होगी तो लाभ कम हो जायेंगे, अतः ख्याति का मूल्य भी कम हो जायेगा। कुशल प्रबन्धक ख्याति बढ़ाते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

3. **पूंजी का प्रयोग-** कितनी पूंजी की आवश्यकता पड़ेंगी यह तथ्य ख्याति के मूल्यांकन में एक विशेष महत्त्व रखता है । यदि अनुमानित लाभ प्राप्त करने के लिए लाभों की तुलना में अत्यधिक पूंजी लगानी पड़ेगी तो ख्याति का मूल्य कम होगा और यदि कम पूंजी लगाकर ही अधिक लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं तो ख्याति का मूल्य अधिक होता है ।
4. **पेटेण्ट या ट्रेडमार्क का प्रयोग-** यदि विक्रेता कम्पनी के पास कोई ऐसा ट्रेडमार्क या पेटेण्ट है जिसके आधार पर वह ख्याति का मूल्य निर्धारित करता है तो क्रेता को यह देखना पड़ता है कि इस पेटेंण्ट या ट्रेडमार्क का प्रयोग भविष्य में कितने वर्षो तक किया जा सकता है । जितने ही अधिक वर्षो तक इनके प्रयोग करने का अधिकार होगा ख्याति का मूल्य उतना ही अधिक होगा और जितने ही कम वर्षो के लिए इनके प्रयोग करने का अधिकार होगा ख्याति का मूल्य उतना ही कम होगा।
5. **व्यवसाय में जोखिम-** यदि व्यवसाय में जोखिम कम है तो ख्याति का मूल्य व्यवसायों की तुलना में अधिक होता है जिनमें जोखिम अधिक होती है।
6. **अच्छी किस्म के माल का निर्माण-** यदि अच्छी किस्म के माल के निर्माण प्रयत्न किया जाता है तो ख्याति बढ़ती है ।
7. **लाभ-** यदि व्यवसाय में अधिक लाभ उपार्जन होता है तो इसकी ख्याति अधिक होती है ।
8. **नाम-** व्यवसाय के एक विशेष प्रकार के नाम के कारण भी इसकी बिक्री बढ़ती है अतः नाम का निर्धारण अत्यन्त सतर्कता से किया जाता है और कुछ व्यवसायों की बिक्री इसलिए कम होती है क्योंकि उनके नाम किसी विशेष जाति या धर्म के आधार पर होते है ।
9. **अवधि-** कुछ दशाओं में व्यवसाय की आयु भी इसकी ख्याति वृद्धि में सहायक होती है।
10. **नियोक्ता एवं कर्मचारी के सम्बंध-** जिस व्यवसाय में नियोक्ता एवं कर्मचारी के सम्बंध अच्छे होते हैं उसमें ख्याति का मूल्य अधिक होता है।

(ब) बाह्य तथ्य

इनके अन्तर्गत निम्नलिखित तथ्य आते हैं--

1. **ग्राहकों का दृष्टिकोण-** यदि ग्राहकों का दृष्टिकोण व्यापार के प्रति ठीक है तो ख्याति बढ़ती रहती है लेकिन यह दृष्टिकोण व्यापार के स्वभाव एवं कार्यक्षमता पर आधारित होता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. **ठहराव-** यदि व्यवसाय के बाहरी व्यक्तियों एवं संस्थाओं से जो ठहराव किये गये हैं वे अनुकूल हैं तथा उचित है और सबका ठीक प्रकार कार्यान्वयन हो रहा है तो ख्याति का मूल्य बढ़ता है ।
3. **प्रतिस्पर्द्धा-** यदि व्यवसाय के प्रतिस्पर्द्धा करने वाले बढ़ रहे हैं तो इसका ख्याति पर प्रभाव अवश्य पड़ता है । प्रतिस्पर्द्धा होने से सदैव ख्याति घटती नहीं है, कभी-कभी इससे ख्याति बढ़ती भी है क्योंकि प्रतिस्पर्द्धा रखने वालों के होने से आपके व्यवसाय की अच्छाइयों दूसरों के समक्ष जल्दी आती हैं ।
4. **साख मिलने की सुविधा-** साख मिलने की सुविधा होने पर ख्याति का मूल्य बढ़ सकता है।
5. **जनता का दृष्टिकोण-** व्यवसाय के प्रति आम जनता का दृष्टिकोण यदि अनुकूल होता है तो ख्याति बढ़ती है । यह दृष्टिकोण आन्तरिक एवं बाह्य दोनों कारकों पर निर्भर करता है ।
6. **अमूर्त सम्पत्ति-** ख्याति का मूल्यांकन अन्य सम्पत्तियों के मूल्यांकन की तरह नहीं किया जाता है क्योंकि अन्य सम्पत्तियों का उनके रूप एवं स्वभाव के कारण बाजार मूल्य होता है । इनके मूल्यों का ज्ञान विभिन्न बाजारों से ज्ञात किया जा सकता है, परन्तु ख्याति एक अमूर्त सम्पत्ति है जिसका न तो कोई स्वरूप है और न कोई बाजारू मूल्य। अतः इसका मूल्यांकन अधिकतर आपसी समझौते द्वारा किया जाता है। इसके मूल्यांकन के लिए कोई प्रमाप निर्धारित नहीं है जिसके आधार पर इसके मूल्यांकन की जांच करने में सहायता मिले। यद्यपि कुछ विधियों के द्वारा इसका मूल्यांकन किया जा सकता है।
7. **राजनीतिक संरक्षण-** यदि व्यापार ऐसा है जिसे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है या प्राप्त होने की आशा है तो व्यवसाय को निश्चित रूप से अधिक लाभ होगा और ख्याति मूल्य भी अधिक होगा।
8. **सरकारी संरक्षण-** उपर्युक्त वर्णित राजनीतिक संरक्षण और सरकारी संरक्षण का अन्तर समझना इस सम्बंध में आवश्यक प्रतीत होता है। राजनीतिक संरक्षण का आशय यहां राजनीतिक दलों का उस व्यवसाय के साथ एक विशेष प्रकार का सम्बंध है। यदि व्यवसाय एक ऐसे राजनीतिक दल द्वारा चलाया जा रहा है जिसका विरोध सरकार करती है तो भविष्य में इस व्यवसाय में कम लाभ प्राप्त होंगे तथा इसकी प्रगति की सम्भावनाएं भी कम होंगी।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

9. **हस्तान्तरण की आशा-** यदि ख्याति के हस्तान्तरण किये जाने की आशा है तो इसका अधिक मूल्य होता है और यदि यह हस्तान्तरण नहीं किया जा सकता है तो इसका मूल्य कम होगा।

साझेदारी में पूंजी का समायोजन

साझेदारी में पूंजी के समायोजन (Adjustment of Capital) का अर्थ है, साझेदारों द्वारा तय किए गए नए लाभ बंटवारे के अनुपात के अनुसार पूंजी का हिस्सा बनाना। यदि साझेदारी में पहले से निवेश की गई राशि की तुलना में अधिक पूंजी की आवश्यकता होगी या पूंजी की कम राशि होगी तो साझेदार क्रमशः पूंजी के अपने हिस्से को नकद में पेश करेंगे या वापस लेंगे।

साझेदार के पूँजी खाते के आवश्यक शेष को बदल दिया जाता है क्योंकि साझेदारी फर्म के पुनर्गठन (reconstitution of partnership) के समय नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना की जाती है और सभी पुराने आरक्षित या संचित लाभ / हानि, संपत्ति और देनदारियों के पुनर्मूल्यांकन के अंतर को सभी भागीदारों में विभाजित किया जाता है (नए साझेदार के प्रवेश के मामले में पुराने साझेदार) अपने पुराने अनुपात में। यदि एक भागीदार अपने लाभ के हिस्से का त्याग करता है तो उसे अन्य सभी लाभ प्राप्त करने वाले भागीदारों द्वारा भुगतान किया जाएगा। तो, उसके पूंजी खाते की शेष राशि में वृद्धि होगी और फर्म में उसके लाभ के हिस्से के अनुसार आवश्यक शेष राशि से अधिक होगी तो वह केवल पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूंजी के हिस्से की निकासी करेगा।

पूंजी के समायोजन के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ

Date	Particulars		L. F.	Debit	Credit
(i) For excess capital withdrawn by the partner					

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

	Partners' Capital A/c	Dr.		XXXX	
	To Cash/Bank A/c				XXXX
	(Being excess capital withdrawn by the partners)				
(ii) For the amount of capital introduced by the partner					
	Cash/Bank A/c	Dr.		XXXX	
	To Partners' Capital A/c				XXXX
	(Being adjustment made for transfer the balance of revaluation a/c to retiring partners' capital/current a/c)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

साझेदार की मृत्यु

साझेदारी फर्म में किसी साझेदार की कभी भी मृत्यु हो सकती है। उसकी मृत्यु के बाद साझेदारी अनुबन्ध के अनुसार साझेदारी फर्म अपना व्यवसाय संचालित करती रहती है। वस्तुतः किसी साझेदर की मृत्यु साझेदारी को भंग करता है पर इसका परिणाम साझेदारी फर्म का पुनर्गठन है।

किसी साझेदार की मृत्यु हो जाने पर साझेदारी फर्म के द्वारा मृतक को देय राशि प्राप्त करने के अधिकारी उसके उत्तराधिकारी होते हैं। साझेदारी अनुबन्ध से यह व्यवस्था कर दी जाती है कि किसी साझेदार की मृत्यु की स्थिति में उसकी राशि की गणना और उसका भुगतान किस ढंग से किया

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जाएगा। साझेदारी अनुबन्ध के अभाव में भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 37 लागू होती है।

लेखांकन दृष्टिकोण से किसी साझेदार की मृत्यु का अर्थ है- स्थायी अवकाश ग्रहण। इस कारण किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण के समय किए गए सभी लेखे, समयोजनाएं और लेखांकन के नियम साझेदार की मृत्यु के समय भी किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त अन्तिम आर्थिक चिट्ठा बनाने की तिथि से लेकर मृत्यु की तिथि तक साझेदारी फर्म के लाभ में हिस्सा और संयुक्त जीवन बीमा पत्र में हिस्सा सम्बन्धित विशिष्ट समस्या भी आती है।

मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को कुल देय रकम की गणना

किसी साझेदार की मृत्यु की स्थिति में किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण की तरह ही, उसके उत्तराधिकारी को कुल देय रकम की गणना की जाती है तथा रोजनामचा प्रविष्टियां और लेखा पुस्तकें बनाई जाती है।

साझेदारी फर्म में मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी निम्नलिखित मदों के भुगतान पाने के अधिकारी होते हैं। (इन मदों को मृतक साझेदार की पूंजी खाता के क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है)।

1. मृतक साझेदार के पूंजी खाता और चालू खाता का जमा शेष।
2. मृत्यु की तिथि को कुल ख्याति में उसका हिस्सा (इसे मृत्यु की तिथि को निकाला जाता है)।
3. आर्थिक चिट्ठा के दायित्व पक्ष में प्रदर्शित अवितरित संचित लाभ, लाभ-हानि खाता, संचय, संचय कोष, सामान्य संचय में उसका हिस्सा।
4. मृत्यु की तिथि को सम्पत्तियों और दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन करने पर निर्मित पुनर्मूल्यांकन खाता के अनुसार हुए लाभ में उसका हिस्सा।
5. उसकी पूंजी पर ब्याज, वेतन, कमीशन, पारिश्रमिक आदि, यदि अदत्त या देय हो।
6. अन्तिम आर्थिक चिट्ठा की तिथि से मृत्यु की तिथि तक के बीच की अवधि का फर्म के अनुमानित शुद्ध लाभ में उसका हिस्सा।
7. संयुक्त जीवन बीमा पत्र में उसका हिस्सा ।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

8. मृतक साझेदार के द्वारा साझेदारी फर्म को दिया गया ऋण और इस पर देय ब्याज मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को उपर्युक्त कुल देय राशि में से निम्नलिखित मदों की रिक्तियों को काट लिया जाता है। (इन मदों को मृतक साझेदार के पूंजी खाता के डेबिट पक्ष में लिखा जाता है)।

- मृतक साझेदार के पूंजी खाता और चालू खाता का नाम शेष।
- आर्थिक चिट्ठा के सम्पत्ति पक्ष में प्रदर्शित लाभ-हानि खाता और अवितरित संचित हानि में उसका हिस्सा।
- मृत्यु की तिथि को सम्पत्तियों और दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन करने पर निर्मित पुनर्मूल्यांकन खाता के अनुसार हुए लाभ में उसका हिस्सा।
- मृतक साझेदार का आहरण और आहरण पर ब्याज।
- अन्तिम आर्थिक चिट्ठा की तिथि से मृत्यु की तिथि तक के बीच की अवधि का फर्म की अनुमानित शुद्ध हानि में उसका हिस्सा।
- साझेदारी फर्म के द्वारा मृतक साझेदार को दिए गए ऋण और उस पर ब्याज।
- आर्थिक चिट्ठा के सम्पत्ति पक्ष में प्रदर्शित ख्याति को अपलिखित करने के लिए इस ख्याति में उसका हिस्सा।

मृतक साझेदार के पूंजी खाता में उपर्युक्त मदों को डेबिट और क्रेडिट पक्ष में लिख देने के बाद इस खाता का शेष निकाला जाता है। प्रायः यह जमा शेष होता है। इस जमा शेष को उसके उत्तरधिकारी के खाता में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। जब साझेदारी अनुबन्ध के अनुसार इस खाता में लिखित राशि का पूर्ण भुगतान या आंशिक भुगतान या उत्तराधिकारी के ऋण खाता में हस्तान्तरित किया जाता है।

मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को कुल देय रकम का भुगतान और लेखांकन

मृतक साझेदार के पूंजी खाता का जमा शेष ही मृतक के उत्तराधिकारी को कुल देय रकम होती है। इसका भुगतान का दायित्व साझेदार फर्म का होता है। साझेदारी फर्म साझेदारी अनुबन्ध के अनुसार इस रकम का भुगतान करती है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

साझेदारी अनुबन्ध के अभाव में, मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को पूर्ण भुगतान न हो पाने की स्थिति में, भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 37 के अनुसार, उत्तराधिकारी निम्नलिखित दो विकल्पों में से किसी भी एक विकल्प का चुनाव कर सकते हैं-

- मृत्यु की तिथि के अन्तिम भुगतान होने की तिथि तक देय राशि पर 6% ब्याज।
- देय राशि से फर्म के द्वारा कमाए गए लाभ का भाग।

मृतक साझेदार के उत्तराधिकारी को भुगतान के सम्बन्ध में रोजनामचा प्रविष्टियां और भुगतान का ढंग अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को कुल देय, देय के भुगतान की तरह ही होता है।

साझेदार की मृत्यु के बाद लेखांकन समस्याएं

साझेदारी फर्म में किसी साझेदार की मृत्यु होने पर निम्नलिखित लेखांकन की समस्याओं का समायोजन करना पड़ता है-

- शेष जीवित साझेदारों के नए लाभ-हानि अनुपात और लाभ प्राप्ति अनुपात की गणना।
- ख्याति का लेखांकन।
- फर्म की सम्पत्तियों और दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन |
- संचय, अवितरित लाभ और लाभ-हानि खाते का हस्तान्तरण|
- कृत्रिम सम्पत्तियों का अपलेखन।

उपर्युक्त समस्याओं का समायोजन और लेखांकन प्रविष्टियां अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार का अन्तिम लेखा बनाने की तरह ही होता है।

साझेदार की मृत्यु पर विशिष्ट लेखांकन समस्याएं

मानव जीवन की एक निश्चित घटना मृत्यु है पर इस निश्चित घटना की तिथि अनिश्चित है। इस कारण फर्म में किसी साझेदार की मृत्यु होने पर अग्रलिखित लेखांकन समस्याएं उत्पन्न होती हैं-

1. **ख्याति का लेखांकन-** वर्तमान समय में ख्याति का लेखा लेखांकन प्रमाप 13 के अनुसार किया जाता है। इस प्रमाप के अनुसार आर्थिक चिट्ठा में दिए गए ख्याति को सभी साझेदारों के द्वारा अपलिखित कर दिया जाता है। इसके बाद साझेदारी अनुबन्ध के अनुसार या

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्नानुसार ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है। इस ख्याति में से मृतक साझेदार का ख्याति का हिस्सा पुराने लाभ-हानि अनुपात में निकाला जाता है। शेष जीवित साझेदार अपने लाभ प्राप्ति अनुपात में इस ख्याति की राशि का अंशदान (भुगतान) मृतक साझेदार को करते हैं। नए आर्थिक चिट्ठा में पुरानी ख्याति और वर्तमान ख्याति को नहीं लिखा जाता है।

2. **मृतक साझेदार के हिस्से के लाभ की गणना-** साझेदारी अनुबन्ध के फर्म के साझेदार सामान्तयता यह प्रावधान कर लेते हैं कि किसी भी साझेदार का अवकाश ग्रहण अन्तिम खाता बनाने की तिथि को होगा। ऐसा करने पर अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार की देय राशि निकालने में सुविधा और भुगतान करने में सरलता रहती है। मृत्यु की तिथि अनिश्चित रहने से किसी भी वित्तीय वर्ष के अन्दर कभी भी किसी भी साझेदार की मृत्यु हो जाती है। इस स्थिति में अन्तिम वार्षिक चिट्ठा की तिथि से लेकर मृत्यु की तिथि तक फर्म का अनुमानित लाभ निकाला जाता है। इस अनुमानित लाभ में से मृतक साझेदार के हिस्से का लाभ पुराने लाभ-हानि अनुपात से निकाल लिया जाता है। मृतक साझेदार के इस अनुमानित लाभ को नए आर्थिक चिट्ठा के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।
3. **संयुक्त जीवन बीमा-पत्र में हिस्सा-** साझेदारी फर्म अपने सभी साझेदारों के जीवन पर अलग-अलग जीवन बीमा-पत्र या सभी साझेदारों के जीवन पर संयुक्त जीवन बीमा पत्र लेती हैं। इन बीमा-पत्रों के प्रीमियम का भुगतान साझेदारी फर्म करती है। किसी साझेदार की मृत्यु होने पर अलग-अलग जीवन बीमा-पत्र रहने पर मृतक साझेदार जीवन बीमा-पत्र के बीमित धन का भुगतान या संयुक्त जीवन बीमा पत्र रहने पर इसके बीमित धन का भुगतान जीवन बीमा निगम करता है। इन दोनों ही स्थितियों में मृतक साझेदार को इन जीवन बीमा-पत्रों की राशि में से नियमानुसार हिस्सा दिया जाता है।

अनुपात किसी साझेदार की मृत्यु होने पर शेष साझेदारों का नया लाभ हानि और लाभ-प्राप्ति अनुपात की गणना विधि- किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर फर्म के शेष साझेदारों का नया लाभ-हानि अनुपात और लाभ प्राप्ति अनुपात की गणना की तरह जही किसी साझेदार की मृत्यु हो जाने पर फर्म के शेष जीवित साझेदारों का नया लाभ-हानि अनुपात और लाभ प्राप्ति अनुपात निकाला जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

परिसंपत्तियों तथा दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन के लिए समायोजन

1. परिसंपत्तियों के मूल्य में वृद्धि पर

परिसंपत्ति खाता (व्यक्तिगत) नाम

पुनर्मूल्यांकन खाते से

(परिसंपत्तियों के मूल्य में वृद्धि पर)

2. परिसंपत्तियों के मूल्य में कमी पर

पुनर्मूल्यांकन खाता नाम

संपत्ति खाते से (व्यक्तिगत)

(परिसंपत्तियों के मूल्य में कमी)

3. दायित्वों की राशि में वृद्धि पर

पुनर्मूल्यांकन खाता नाम

दायित्व खाते से (व्यक्तिगत) जमा

(दायित्वों की राशि में वृद्धि)

4. दायित्वों की राशि में कमी होने पर

दायित्व खाता (व्यक्तिगत) नाम

पुनर्मूल्यांकन खाते से

(दायित्वों की राशि में कमी)

5. गैर-अभिलेखित परिसंपत्तियों के लिए

परिसंपत्ति खाता नाम

पुनर्मूल्यांकन खाते से

SHIVOM CLASSES 8696608541

(गैर-अभिलेखित परिसंपत्तियों को पुस्तकों में दर्शाने पर)

6. गैर-अभिलेखित दायित्वों के लिए

पुनर्मूल्यांकन खाता नाम

दायित्व खाते से

(गैर-अभिलेखित दायित्वों को पुस्तकों में लाने पर)

7. पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि के वितरण के लिए

पुनर्मूल्यांकन खाता नाम

सभी साझेदारों के पूँजी खाते से (व्यक्तिगत)

(पुनर्मूल्यांकन पर लाभ को साझेदारों के पूँजी

खाते में हस्तांतरित करने पर)

(या)

सभी साझेदारों का पूँजी खाता (व्यक्तिगत) नाम

पुनर्मूल्यांकन खाते से

(पुनर्मूल्यांकन पर हानि को साझेदारों के पूँजी

खाते में हस्तांतरित करने पर)

उदाहरण

मिताली, इंदू और गीता लाभो तथा हानि का बँटवारा 5 : 3 : 2 के अनुपात में करते हुए साझेदार हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र निम्न था:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
पूँजी खाते:			ख्याति	25,000
मिताली	1,50,000		भवन	1,00,000
इंदू	1,25,000		पेटेंट	30,000
गीता	75,000	3,50,000	मशीनरी	1,50,000
विविध लेनदार		55,000	स्टॉक	50,000
सामान्य संचय		30,000	देनदार	40,000
			रोकड़	40,000
		4,35,000		**4,35,000**

गीता उपरोक्त तिथि पर सेवानिवृत्त होती है। मशीन का मूल्यांकन 1,20,000 रुपये, पेटेंट 40,000 रुपये और भवन 1,25,000 रुपये हुआ। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियों का अभिलेखन करें तथा पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार कीजिए।

हल

गीता, मिताली तथा इंदू की पुस्तकें

रोज़नामचा

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तिथि 2017	विवरण		ब.पृ. स.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
31 मार्च	पुनर्मूल्यांकन खाता	नाम		10,000	
	मशीनरी खाते से				10,000
	(मशीनरी के मूल्य में कमी)				
	पेटेंट खाता	नाम		10,000	
	भवन खाते से	नाम		25,000	
	पुनर्मूल्यांकन खाता				35,000
	(पेटेंट तथा भवन के मूल्य में वृद्धि पर)				
	पुनर्मूल्यांकन खाता	नाम		25,000	
	मिताली खाते से				12,500
	इंदू के खाते से				7,500
	गीता के खाते से				5,000
	(पुनर्मूल्यांकन पर लाभ को साझेदारों के पूँजी खाते में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरित करने पर)				

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम — जमा

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
मशीनरी		10,000	पेटेंट	10,000
लाभ का हस्तांतरण:			भवन	25,000
मिताली का पूँजी खाता	12,500			
इंदू का पूँजी खाता	7,500			
गीता का पूँजी खाता	5,000	25,000		
		35,000		**35,000**

संचित लाभों तथा हानियों का समायोजन

कभी-कभी तुलन पत्र में संचित लाभों को, सामान्य संचय और संचय कोष तथा संचित हानियों को लाभ तथा हानि खाते के जमा शेष के रूप में दर्शाया जाता है। सेवानिवृत्त/मृत साझेदार अपने भाग के संचित लाभों का तथा संचित हानियों (यदि कोई है) का अधिकारी होगा। यह संचित लाभ या हानि सभी साझेदारों से संबंधित है तथा इनको सभी साझेदारों के पूँजी खातों में उनके

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पुराने लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरित कर दिया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए निम्न रोज़नामचा प्रविष्टियों का अभिलेखन किया जाएगा।

(i) संचित लाभों (संचय) का हस्तांतरण करने पर

संचय खाता नाम

सभी साझेदारों के पूँजी खाते से (व्यक्तिगत)

(संचय का हस्तांतरण सभी साझेदारों के पूँजी खाते में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में)

(ii) संचित हानियों के हस्तांतरण पर

सभी साझेदारों का पूँजी खाता (व्यक्तिगत) नाम

लाभ व हानि खाते से

(संचित हानियों का साझेदारों के पूँजी खाते में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरण)

उदाहरण के लिए, इंद्र, गजेंद्र तथा हरेंद्र साझेदार हैं जिनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 है। इंद्र सेवानिवृत्त होता है तथा इस तिथि को फर्म का तुलन पत्र इस प्रकार है:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इंद्र, गजेंद्र तथा हरेंद्र की पुस्तकें
31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
लेनदार		50,000	स्टॉक	30,000
सामान्य संचय		90,000	बैंक	10,000
पूँजी खाते:			रोकड़	5,000
इंद्र	1,00,000		भूमि व भवन	3,00,000
गजेंद्र	55,000			
हरेंद्र	50,000	2,05,000		
		3,45,000		**3,45,000**

सामान्य संचय के व्यवहार का अभिलेखन करने के लिए निम्न रोज़नामचा प्रविष्टि की जाएँगी:

गजेंद्र तथा हरेंद्र की पुस्तकें

तिथि	विवरण		ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	सामान्य संचय खाता	नाम		90,000	
	इंद्र का पूँजी खाता				45,000
	गजेंद्र का पूँजी खाता				30,000
	हरेंद्र का पूँजी खाता				15,000
	(सामान्य संचय का हस्तांतरण सभी साझेदारों के पूँजी खाते में उनके पुराने अनुपात में इंद्र के सेवानिवृत्त होने पर)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

जब साझेदार वर्ष के मध्य सेवानिवृत्त होता है —

सामान्यतः एक साझेदार की सेवानिवृत्ति लेखांकन वर्ष के अंत में ही होती है जहाँ एक साझेदार लेखांकन वर्ष के बीच में सेवानिवृत्ति का निर्णय लेता है। एेसा परिस्थिति में उस साझेदार को हिस्सेदारी स्वरूप पिछले लेखांकन वर्ष के तुलन पत्र तिथि से लेकर सेवानिवृत्ति की तिथि तक व हानि का अंश, पूँजी पर ब्याज, आहरण पर ब्याज, यदि है तो, देय होगा। यहाँ मध्य अवधि के लिए लाभ (अथवा हानि) की गणना मुख्य समस्या हो सकती है जिसे पूर्वदत्त तुलन पत्र तिथि से

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लेकर सेवानिवृत्ति की तिथि तक ज्ञात किया जाएगा। इस परिस्थिति को जब हम उदाहरण के माध्यम से समझते हैं —

विपुल का अंश = 1,00,000 रु

$\times \frac{3}{12} \times \frac{4}{10}$ रु. = 10,000 रु.

रोज़नामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी —

लाभ व हानि उचती खाता	नाम	10,000	
विपुल के पूँजी खाते से			10,000

(विपुल का लाभों में अंश, पूँजी खाते में हस्तांतरित)

वैकल्पिक रूप से यदि विपुल का लाभों में हिस्सेदारी की गणना पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के आधार पर की जाती है, जो कि इस प्रकार है —

2016–2017 1,36,000 रु.

2017–2018 1,54,000 रु.

2018–2019 1,00,000 रु.

अतः अप्रैल, 01 से 30 जून तक लाभ की गणना इस प्रकार है —

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

$$\text{औसत लाभ} = \frac{\text{कुल लाभ}}{\text{वर्षों की संख्या}}$$

$$= \frac{1,36,000 \text{ रु.} + 1,54,000 \text{ रु.} + 1,00,000 \text{ रु.}}{3}$$

$$= \frac{3,90,000}{3} \text{ रु.} = 1,30,000 \text{ रु.}$$

$$\text{विपुल का लाभों में अंश} = 1,30,000 \text{ रु.} \times \frac{3 \text{ माह}}{12 \text{ माह}} \times \frac{4}{10}$$

$$= 13,000 \text{ रु.}$$

रोज़नामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी —

लाभ व हानि उंचती खाता	नाम	13,000	
विपुल के पूँजी खाते से			13,000

यदि अनुबंध यह कहता है कि सेवानिवृत्त साझेदार का हिस्सा बिक्री के आधार पर ज्ञात किया जाएगा, तो हिस्सेदारी की गणना इस प्रकार होगी —

वर्ष	विक्रय राशि
2018–2019	8,00,000
अप्रैल–जून 30, 2019	1,50,000

यदि विक्रय 8,000 रु. है तो लाभ 1,00,000 रु. है।

$$\text{यदि विक्रय 1 रु. है तो लाभ} = \frac{1,00,000}{8,00,000}$$

$$\text{यदि विक्रय 1,50,000 रु. है तो लाभ} = \frac{1,00,000}{8,00,000} \times 1,50,000$$

$$= 18,750 \text{ रु.}$$

रोज़नामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी —

लाभ व हानि उचंती खाता	नाम	7,500
विपुल के पूँजी खाते से		7,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

संक्षिप्त में यह कहा जा सकता है कि मध्य अवधि के लिए सेवानिवृत्त साझेदार के लाभ की प्रविष्टि इस प्रकार होगी —

लाभ व हानि उचंती खाता नाम

सेवानिवृत्त साझेदार के पूँजी खाते से

इसके पश्चात् लाभ व हानि उचंती खाते की राशि को लाभकारी साझेदारों के पूँजी खातों में अधिलाभ अनुपात से हस्तांतरित कर बंद किया जाता है।

रोज़नामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी —

लाभकारी साझेदारी पूँजी खाता नाम (अधिलाभ अनुपात से)

लाभ व हानि उचंती खाता से

वैकल्पिक रूप से, राज़नामचा प्रविष्टि एेसी भी हो सकती है —

लाभकारी साझेदारी पूँजी खाता नाम

सेवानिवृत्त साझेदार के पूँजी खाते से

सेवानिवृत्त साझेदार को देय राशि का निपटारा

जाने वाले साझेदार के खातों का निपटारा साझेदारी समझौते में दी गई शर्तों के अनुसार, जैसे कि एकमुश्त भुगतान या ब्याज सहित या ब्याज रहित जैसे भी स्वीकृत हो विभिन्न किश्तों द्वारा भिन्न-भिन्न अंतरालो में भुगतान या कुछ भुगतान नकद में तुरंत और कुछ किश्तों द्वारा जैसे भी स्वीकृत हो, किया जाता है। किसी साझेदारी समझौते के अभाव में, भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 37 लागू होगी, जो कि यह तय करती है कि जाने वाले साझेदार के पास एक विकल्प होगा, जिसके अनुसार वह या तो 6% प्रतिवर्ष की दर से भुगतान की तिथि तक या इस प्रकार लाभ का भाग जो उसने अपनी पूँजी से उपार्जित किया है (पूँजी अनुपात आधारित) प्राप्त करने का अधिकारी है। इसलिए सेवानिवृत्त साझेदार को कुल देय राशि का निर्धारण, जो कि सभी समायोजन करने के पश्चात किया गया है, का भुगतान तुरंत किया जाएगा। यदि फर्म तुरंत भुगतान करने की स्थिति में नहीं है तो इस स्थिति में, सेवानिवृत्त साझेदार को देय कुल राशि को

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कर दिया जाएगा और जैसे ही राशि का भुगतान किया जाएगा, यह उसके खाते में नाम किया जाएगा। आवश्यक समायोजन प्रविष्टियाँ निम्न है:

1. जब सेवानिवृत्त साझेदार को पूर्ण भुगतान रोकड़ में किया जाता है।

सेवानिवृत्त साझेदार का पूँजी खाता नाम

रोकड़/ बैंक खाते से

2. जब सेवानिवृत्त साझेदार की समस्त राशि को ऋण मान लिया जाता है।

सेवानिवृत्त साझेदार का पूँजी खाता नाम

सेवानिवृत्त साझेदार के ऋण खाते से

3. जब सेवानिवृत साझेदार को आंशिक रूप से रोकड़ भुगतान किया जाता है तथा शेष राशि को ऋण माना जाता है।

सेवानिवृत्त साझेदार का पूँजी खाता नाम

(कुल देय राशि)

रोकड़/ बैंक खाते से(भुगतान की राशि)

से वानिवृत्त साझेदार के ऋण खाते से (ऋण की राशि)

4. जब ऋण खाते का निपटारा किश्तों में मूल राशि में ब्याज सहित भुगतान किया जाता है।

(अ) ऋण पर ब्याज के लिए

ब्याज खाता नाम

सेवानिवृत्त साझेदार के ऋण खाते से

(ब) किश्त के भुगतान पर

सेवानिवृत्त साझेदार के ऋण खाता नाम

रोकड़/ बैंक खाते से

SHIVOM CLASSES 8696608541

टिप्पणी

1. सेवानिवृत्त साझेदार के ऋण खाते का शेष तुलन पत्र में दायित्व पक्ष की ओर अंतिम किश्त के भुगतान तक दर्शाया जाएगा।

2. प्रविष्टि संख्या (ब) तथा (स), उपरोक्त को ऋण के भुगतान की तिथि तक दोहराया जाएगा।

उदाहरण

अमरिंद्र महेंद्र तथा जोगिंद्र एक फर्म में साझेदार हैं। महेंद्र फर्म से सेवानिवृत होता है। उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि को उसको 60,000 रुपये देय हैं। अमरिंद्र तथा जोगिंद्र ने यह वचन दिया कि उसको प्रत्येक वर्ष के अंत में किश्तों में भुगतान किया जाएगा। निम्न स्थितियों में महेंद्र का ऋण खाता तैयार करें:

1. जब शेष राशि का भुगतान चार वार्षिक किश्तों में 12% प्रतिवर्ष ब्याज के साथ किया जाएगा।

2. जब पहले तीन सालों के दौरान, बकाया शेष पर 20,000 रुपये की तीन वार्षिक किश्तों में, 12% प्रतिवर्ष ब्याज सहित और शेष ब्याज सहित चौथे वर्ष में भुगतान करने पर सहमत होते हैं।

3. जब शेष राशि का भुगतान 4 समान वार्षिक किश्तों में 12% ब्याज सहित किया जाए।

हल

(अ) जब भुगतान 4 वार्षिक किश्तों में ब्याज के साथ किया जाता है।

अमरिंद्र, महेंद्र तथा जोगिंद्र की पुस्तकें
महेंद्र का ऋण खाता

नाम | | | | | | | जमा

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)
वर्ष-1	बैंक (15,000रु.+7,200रु.)		22,200	वर्ष-1	महेंद्र की पूँजी		60,000
					ब्याज		7,200
	शेष आ/ला		45,000				
			67,200				**67,200**

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वर्ष-2	बैंक (15,000रु.+5,400रु.)		20,400	वर्ष-2	शेष आ/ला		45,000
	शेष आ/ला		30,000		ब्याज		5,400
			50,400				50,400
वर्ष-3	बैंक (15,000रु.+3,600रु.)		18,600	वर्ष-3	शेष आ/ला		30,000
	शेष आ/ला		15,000		ब्याज		3,600
			33,600				33,600
वर्ष-4	बैंक (15,000रु.+1,800रु.)		16,800	वर्ष-4	शेष आ/ला		15,000
					ब्याज		1,800
			16,800				16,800

(ब) जब भुगतान 20,000 रुपये प्रत्येक की 3 वार्षिक किश्तों में ब्याज सहित किया जाता है।

अमरिंद्र, महेंद्र और जोगिंद्र की पुस्तकें
महेंद्र का ऋण खाता

नाम   *जमा*

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
वर्ष-1	बैंक		20,000	वर्ष-1	महेंद्र की पूँजी		60,000
	शेष आ/ला		47,200		ब्याज		7,200
			67,200				67,200
वर्ष-2	बैंक		20,000	वर्ष-2	शेष आ/ला		47,200
	शेष आ/ला		32,864		ब्याज		5,664
			52,864				52,864
वर्ष-3	बैंक		20,000	वर्ष-3	शेष आ/ला		32,864
	शेष आ/ला		16,808		ब्याज		3,944
			36,808				36,808
वर्ष-4	बैंक		18,825	वर्ष-4	शेष आ/ला		16,808
					ब्याज		2,017
			18,825				18,825

SHIVOM CLASSES 8696608541

(स) जब भुगतान 4 वार्षिक बराबर किश्तों में 12% (वार्षिक) ब्याज सहित किया जाता है:

अमरिंद्र तथा जोगिंद्र की पुस्तकें
महेंद्र का ऋण खाता

नाम | जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	रो.पृ. सं.	राशि (रु.)
वर्ष-1	बैंक		19,754	वर्ष-1	महेंद्र की पूँजी		60,000
	शेष आ/ला		47,446		ब्याज		7,200
			67,200				67,200
वर्ष-2	बैंक		19,754	वर्ष-2	शेष आ/ला		47,446
	शेष आ/ला		33,386		ब्याज		5,694
			53,140				53,140
वर्ष-3	बैंक		19,754	वर्ष-3	शेष आ/ला		33,386
	शेष आ/ला		17,638		ब्याज		4,006
			37,392				37,392
वर्ष-4	बैंक		19,754	वर्ष-4	शेष आ/ला		17,638
					ब्याज		2,116
			19,754				19,754

टिप्पणी: 19,754 रुपये पर 12% प्रतिवर्ष की दर से 4 सालों के भुगतान का निर्धारण [सालाना 0.329234 रुपये वार्षिकी सारणी के अनुसार 60,000 रुपये]

उदाहरण

31 मार्च, 2017 को आशीष, सुरेश और लोकेश का तुलन पत्र नीचे दिया गया है जो कि अपना लाभ 5 : 3 : 2 के अनुपात में विभाजित करते हैं:

SHIVOM CLASSES 8696608541

31 मार्च, 2017 को
आशीष, सुरेश और लोकेश का तुलन पत्र

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
पूँजी:			भूमि	4,00,000
आशीष	7,20,000		भवन	3,80,000
सुरेश	4,15,000		संयंत्र व मशीनरी	4,65,000
लोकेश	3,45,000	14,80,000	फर्नीचर व फिटिंगस	77,000
सामान्य संचय		1,80,000	विविध देनदार	1,72,000
विविध लेनदार		1,24,000	हस्तस्थ रोकड़	1,21,000
अन्य व्यय		16,000	स्टॉक	1,85,000
		18,00,000		**18,00,000**

सुरेश उपरोक्त तिथि को सेवानिवृत्त होता है तथा उसकी सेवानिवृत्ति पर निम्न समायोजनों के लिए सहमती हुई:

1. स्टॉक का मूल्यांकन 1,72,000 रुपये पर हुआ।

2. फ़र्नीचर व फ़िटिंग्स का मूल्यांकन 80,000 रुपये हुआ।

3. 10,000 रुपये की राशि एक देनदार दीपक द्वारा देय है, यह संदिग्ध राशि है जिसके लिए प्रावधान

की आवश्यकता है।

4. ख्याति का मूल्यांकन 2,00,000 रुपये हुआ लेकिन निर्णय लिया गया की ख्याति को लेखा पुस्तकों में

नहीं दर्शाया जाएगा

5. सेवानिवृत्ति के समय सुरेश को 40,000 रुपये का भुगतान तुरंत किया जाएगा तथा शेष को उसके

ऋण खाते में हस्तांतरित किया जाएगा।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

6. आशीष और लोकेश भविष्य में लाभ का विभाजन 3:2 के अनुपात में करेंगे।

पुनर्मूल्यांकन खाता, पूँजी खाता तथा पुनर्गठित फर्म का तुलन पत्र तैयार करें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 220 - 228)

लघु उत्तर प्रश्न:

प्रश्न 1 किन - किन परिस्थितियों में एक साझेदार फर्म से सेवानिवृत्त हो सकता है?

उत्तर – कोई भी साझेदार निम्न परिस्थितियों में फर्म से सेवानिवृत्त हो सकता है:

(1) वृद्धावस्था के कारण

(2) अस्वस्थता अथवा असमर्थता होने पर

(3) साझेदारों के बीच आपसी मतभेद उत्पन्न होने पर

(4) साझियों द्वारा यदि कोई विधि विरुद्ध कार्य किया जा रहा हो

(5) यदि फर्म का व्यवसाय लगातार हानि में चल रहा हो।

प्रश्न 2 एक साझेदार की सेवानिवृत्ति के समय किये जाने वाले विभिन्न समायोजनों का वर्णन कीजिए।

उत्तर – एक साझेदार की सेवानिवृत्ति के समय निम्न समायोजन किये जाते हैं:

- नया लाभ अनुपात तथा अभिलाभ अनुपात का निर्धारण;
- ख्याति सम्बन्धी समायोजन;
- परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन;
- लेखा न की गई परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों के सम्बन्ध में समायोजन
- लाभ तथा हानियों के वितरण हेतु समायोजन;
- सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि तक उसके लाभ तथा हानियों के भाग का निर्धारण;
- पूँजी का समायोजन (यदि आवश्यक हो);
- सेवानिवृत्त/मृत्यु होने वाले साझेदार को देय राशि का निपटारा।

प्रश्न 3 त्याग अनुपात तथा अभिलाभ अनुपात में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर –

अन्तर का आधार	त्याग का अनुपात	अभिलाभ अनुपात/लाभ प्राप्ति अनुपात
1. आशय	यह वह अनुपात है जिसे पुराने साझेदार नये साझेदार के लिए त्याग करते हैं।	यह वह अनुपात है जिसमें निवृत्त हुए साझेदार का हिस्सा शेष साझेदार प्राप्त करते हैं।
2. कब ज्ञात करेंगे	यह अनुपात नये साझेदार के प्रवेश के समय ज्ञात करते हैं।	यह अनुपात किसी साझेदार के अवकाश ग्रत्रण या मृत्यु के समय ज्ञात करते हैं।
3. परिकलन का सूत्र	त्याग का अनुपात = पुरना अनुपात - नया अनुपात	लाभ - प्राप्ति अनुपात = नया अनुपात - पुराना अनुपात
4. परिगणना का उद्देश्य	नये साझेदार द्वारा फर्म में लाई गई ख्याति की राशि को इस अनुपात में बाँटते हैं।	अवकांश प्राप्त साझेदार को ख्याति की देय राशि को शेष साझेदारों द्वारा इस अनुपात में वहन किया जाता है।
5. साझेदार के लाभ में भाग पर प्रभाव	साझेदार का लाभ में भाग कम हो जाता है।	साझेदार का लाभ में भाग बढ़ जाता है।

प्रश्न 4 किसी साझेदार के सेवानिवृत्ति/मृत्यु के समय फर्म को अपनी परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन और दायित्वों के दोबारा निर्धारण की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर – साझेदार की सेवानिवृत्ति या मृत्यु पर कुछ परिसम्पत्तियाँ ऐसी हो सकती हैं जिन्हें उनके वर्तमान मूल्य पर नहीं दर्शाया जाता तथा इसी प्रकार कुछ दायित्वों के मूल्य तथा फर्म द्वारा भुगतान किए जाने वाले मूल्यों में अन्तर होता है।इतना ही नहीं, कुछ ऐसी गैर-अभिलेखित (unrecorded) परिसम्पत्तियाँ भी होती हैं जिनको पुस्तकों में लाए जाने की आवश्यकता होती है, जैसा कि साझेदार के प्रवेश की स्थिति में होता है।पुनर्मूल्यांकन खाते को परिसम्पत्तियों और दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन करने तथा गैर-अभिलेखित मदों को फर्म की पुस्तकों में लाकर लाभ प्राप्ति अथवा हानि की गणना करने के लिए तैयार किया जाता है।इस लाभ अथवा हानि में सेवानिवृत्त/मृत साझेदार की भी भागीदारी होती है अतः इसे सभी साझेदारों के पूँजी खातों में,

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जिसमें सेवानिवृत्त/मृत साझेदार भी शामिल है, पुराने लाभ विभाजन अनुपात में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

प्रश्न 5 सेवानिवृत्त / मृत साझेदार फर्म की ख्याति में उसका भाग पाने का अधिकारी क्यों होता है?

उत्तर – सेवानिवृत्त/मृत साझेदार फर्म की ख्याति में उसका भाग पाने का अधिकारी होता है क्योंकि ख्याति साझेदारों के सामूहिक प्रयत्नों का फल होती है।इसमें सेवानिवृत्त होने वाले अथवा मृत साझेदार की भी मेहनत होती है।इसलिए वह फर्म की ख्याति में अपना भाग पाने का अधिकारी होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 सेवानिवृत्त साझेदारों को भुगतान करने की विभिन्न विधियों को समझाइए।

उत्तर – सेवानिवृत्त होने वाले अथवा अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि का भुगतान करने की निम्नलिखित प्रमुख विधियाँ हैं

1. एक मुश्त भुगतान (Payment in one lump sum)
2. आंशिक भुगतान नकद में तथा शेष ऋण खाते में हस्तान्तरण द्वारा (Payment partly in cash and partly by transferring to Loan A/c)
3. किश्तों में भुगतान (Payment in Instalments) इनका वर्णन निम्न प्रकार है:

(1) एक मुश्त भुगतान-यदि फर्म के पास पर्याप्त तरल साधन (नकद व बैंक शेष) हो तो अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को एक मुश्त भुगतान किया जा सकता है।इसके लिए आवश्यक प्रविष्टि होगी:

Retiring Partner's Capital A/c	Dr.	(देय राशि से)
To Cash/Bank A/c		
(Being amount due to retiring Partner paid)		

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(i) कभी - कभी बैंक से ऋण लेकर अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को भुगतान किया जाता है।

(a) बैंक से ऋण लेने पर:

Bank A/c	Dr.
To Bank Loan A/c	

(b) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को भुगतान :

Retiring Partner's Capital A/c	Dr.
To Bank A/c	

(ii) पूँजी शेष को ऋण खाते में हस्तान्तरण के द्वारा (By Transferring Capital Account to his Loan Account): सूचना के अभाव में अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय रकम उसके ऋण खाते में हस्तांतरित की जायेगी।

Retiring Partner's Capital A/c	Dr.
To Retiring Partner's Loan A/c	
(Being Amount due to Retiring Partner transferred to his Loan A/c)	

(2) आंशिक भुगतान नकद में तथा शेष ऋण खाते में हस्तान्तरण द्वारा (Payment partly in cash and partly by transferring in to Loan Account): कभी - कभी कुछ राशि नकद चुका दी जाती है और बाकी राशि ऋण खाते में हस्तान्तरण कर दी जाती है तो प्रविष्टि होगी

Retiring Partner's Capital A/c	Dr.
To Retiring Partner's Loan A/c	
(Being Amount due to Retiring Partner transferred to his Loan A/c)	

(3) किश्तों में भुगतान (Payment by Instalments): आपसी सहमति से अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय रकम का भुगतान किश्तों में किया जा सकता है।इस दशा में उसे देय राशि उसके ऋण खाते में हस्तान्तरित कर दी जाती है तथा ऋण खाते के अदत्त शेष पर समझौते के

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अनुसार एक निश्चित प्रतिशत की दर से या समझौते के अभाव में 6%, वार्षिक दर से ब्याज दिया जाता है।

लेखांकन प्रविष्टियाँ:

(1) पूँजी खाते के शेष को ऋण खाते में हस्तान्तरित करने पर:

Retiring Partner's Capital A/c Dr.
To Retiring Partner's Loan A/c
(Being Retiring Partner's Capital A/c balance transferred to his loan A/c)

(2) अदत्त राशि पर ब्याज के लिए

Interest A/c Dr.
To Retiring Partner's Loan a/c
(Being for interest to his loan A/c)

(3) किश्त की राशि ब्याज सहित भुगतान करने पर:

Retiring Partner's Loan A/c Dr.
To Cash/Bank A/c
(Being instalment paid)

प्रश्न 2 आप मृत साझेदार को देय राशि की गणना किस प्रकार करेंगे?

अथवा

एक सेवानिवृत्त/मृत साझेदार को देय राशि का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है?

उत्तर – सामान्यतः सेवानिवृत्त होने वाला साझेदार, लेखा वर्ष की समाप्ति वाले दिन अथवा आगामी लेखा वर्ष के प्रथम दिन ही फर्म से अवकाश ग्रहण करता है।ऐसी स्थिति में उसको देय राशि का निर्धारण, अन्तिम चिट्टे में दिखाए गए उसके पूँजी खाते तथा चालू खाते के समायोजित शेष के आधार पर किया जा सकता है, बशर्ते कि फर्म की सम्पत्तियों तथा दायित्वों का मूल्यांकन उचित प्रकार से किया गया हो।यदि इनका मूल्यांकन उचित प्रकार से न किया गया हो तो इनके

SHIVOM CLASSES 8696608541

पुनर्मूल्यांकन (Revaluation) से उत्पन्न होने वाले लाभ अथवा हानि के सम्बन्ध में उचित समायोजन किया जाएगा।

किसी साझेदार की मृत्यु अथवा अन्य असाधारण परिस्थितियों में लेखा वर्ष के दौरान भी ऐसे साझेदार को देय राशि का निर्धारण करने की समस्या उत्पन्न हो सकती है।वस्तुतः साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु के समय देय राशि का निर्धारण सेवानिवृत्त साझेदार (सेवानिवृत्ति के समय) और मृत साझेदार के कानूनी उत्तराधिकारी (मृत्यु के समय) को देय राशि में निम्न शामिल हैं :

- उसके पूँजी खातों का जमा शेष;
- उसके चालू खातों का जमा शेष (यदि कोई हो);
- उसकी ख्याति का भाग;
- उसके निर्धारित लाभ का भाग (संचय);
- परिसम्पत्तियों तथा दायित्व के पुनर्मूल्यांकन में उसके अभिलाभ का भाग;
- उसके सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तारीख तक उसके लाभ का भाग;
- सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि तक उसके पूँजी पर ब्याज (यदि शामिल है) का भाग; तथा
- वेतन/कमीशन, यदि कोई हो, तो सेवानिवृत्त/मृत्यु की तिथि तक

उसको देय राशि। 'दी गई कटौतियाँ, यदि कोई हों, तो उसके भाग में से ली जाएँगी :

- उसके चालू खातों का नाम शेष (यदि हो);
- अपलिखित ख्याति का भाग (यदि जरूरी हो);
- उसकी निर्धारित हानियों का भाग;
- परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर उसकी हानियों का भाग;
- सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि तक उसके हानियों का भाग;
- सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि तक उसके द्वारा आहरित राशि का भाग;
- आहरण पर ब्याज, यदि शामिल है, सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि तक।

इस प्रकार सेवानिवृत्त/मृत साझेदार को देय राशि की गणना कर निर्धारित विधि द्वारा सेवानिवृत्त साझेदार अथवा मृत साझेदार के कानूनी उत्तराधिकारी को भुगतान किया जा सकता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 3 किसी साझेदार के सेवानिवृत्ति के समय या उसकी मृत्यु की दशा में ख्याति के व्यवहार का वर्णन कीजिए।

उत्तर – लेखा मानक 26 के अनुसार ख्याति को पुस्तकों में स्पष्ट रूप से तभी दिखाया जाता है जबकि वह क्रय की गई हो अर्थात् उसके लिए प्रतिफल चुकाया गया हो।अन्यथा केवल पूँजी खाते में समायोजन से ही ख्याति का समायोजन किया जाएगा।पुस्तकों में उसे नहीं दिखाया जा सकता है।किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु की दशा में विभिन्न स्थितियों में अग्र प्रविष्टियों के द्वारा ख्याति का लेखा पूँजी खातों में दर्शाते हैं।

(A) जब ख्याति खाता पहले से मौजूद नहीं है:

(I) जब ख्याति खाता सम्पूर्ण मूल्य से खोला जाए और बंद कर दिया जाए:

(i) ख्याति खाता खोलने पर:

(1) Goodwill A/c	Dr.	(ख्याति के सम्पूर्ण मूल्य से)
To All Partners' Capital A/cs		(लाभ-विभाजन अनुपात में)
(Being goodwill A/c raised)		

(ii) ख्याति खाता बंद करने पर:

(2) Remaining Partner's Capital A/c	Dr.	(नये अनुपात में)
To Goodwill A/c		(ख्याति के सम्पूर्ण मूल्य से)
(Being goodwill account written off)		

(II) यदि ख्याति खाता खोले बिना समायोजन किया जाये:

Remaining Partner's Capital A/c	Dr.	(फायदे के अनुपात में)
To Retiring/Deceased Partner's Capital A/c		(उसके हिस्से की ख्याति से)
(Retiring/Deceased Partner's Share of goodwill debited to remaining Partners in their gain ratio)		

टिप्पणी: साझेदार के अवकाश ग्रहण करने/मृत्यु पर वर्तमान साझेदार का भी लाभ विभाजन अनुपात पूर्व से कम हो जाये तो

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Remaining gainer Partner's Capital A/c	Dr.	(फायदे के अनुपात में)
To Retiring/Deceased Partner's Capital A/c		(उसके हिस्से की ख्याति से)
To Remaining looser Partner's Capital A/c		(उसके त्याग अनुपात में उसका ख्याति में हिस्सा)
(Being adjustment of goodwill on retirement/death of a partner and due change in profit sharing ratio)		

(B) जब ख्याति खाता पहले से मौजूद हो:

(I) पहले से विद्यमान है तो उसे बन्द करना है:

All Partners' Capital A/cs	Dr.	
To Goodwill A/c		(पुराने लाभ-विभाजन अनुपात में)
(Being goodwill account written off)		

(II) पहले से विद्यमान है तथा निवृत्ति पर मूल्यांकन पुस्तक मूल्य से अधिक हो:

(i) Goodwill A/c	Dr.	(बढ़े हुए मूल्य से)
To All Partners' Capital A/cs		(लाभ-विभाजन अनुपात में)
(Goodwill Account raised from New Value)		
(ii) Remaining Partner's Capital A/c	Dr.	(ख्याति के नये मूल्य से नये अनुपात में)
To Goodwill A/c		
(Goodwill Account closed)		

(III) पहले से विद्यमान है तथा निवृत्ति पर मूल्यांकन पुस्तक मूल्य से कम हो:

All Partners' Capital A/cs	Dr.	(लाभ विभाजन अनुपात में)
To Goodwill A/c		(सम्पूर्ण मूल्य से)
(Goodwill Account written off reduced from new value)		

(C) जब ख्याति का समायोजन केवल अवकाश ग्रहण करने वाले/मृत साझेदार के हिस्से की राशि से किया जाये:

(I) ऐसी दशा में निवृत्त होने वाले/मृत साझेदार के हिस्से की ख्याति की राशि को शेष साझेदार वहन करेंगे।

SHIVOM CLASSES 8696608541

Remaining Partners A/c Dr.		(फायदे के अनुपात में)
To Retiring/Deceased Partner's Capital A/c		(निवृत्त/मृत साझेदार के हिस्से की ख्याति)
(Adjustment made for retiring/deceased partner's share of goodwill)		

प्रश्न 4 एक साझेदार की मृत्यु की घटना पर लाभे में से उसके भाग की गणना करने की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

किसी साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु पर लाभ में से उसके भाग की गणना किस प्रकार की जाती है?

उत्तर – सामान्यतः एक साझेदार की सेवानिवृत्ति लेखांकन वर्ष के अन्त में ही होती है।लेकिन यदि एक साझेदार लेखांकन वर्ष के बीच में सेवानिवृत्ति का निर्णय लेता है अथवा वर्ष के बीच किसी साझेदार की मृत्यु होती है तो ऐसी परिस्थिति में उस साझेदार को हिस्सेदारी स्वरूप पिछले लेखांकन वर्ष के तुलन पत्र की तिथि से लेकर सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि तक हानि का अंश, पूँजी पर ब्याज, आहरण पर ब्याज, यदि है तो, देय होगा।यहाँ मध्य अवधि के लिए लाभ (अथवा हानि) की गणना पूर्वदत्त तुलन पत्र तिथि से लेकर सेवानिवृत्ति की तिथि तक के लिए की जायेगी।- इसके लिए निम्न में से किसी एक विधि से गणना की जा सकती है।

(1) पिछले वर्षों के आधार पर इस विधि के अन्तर्गत सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि तक के लाभों की गणना गत वर्ष/वर्षों के लाभ अथवा पिछले कुछ वर्षों के औसत लाभ के आधार पर की जाती है।सेवानिवृत्त/मृत साझेदार का लाभ में हिस्सा निम्न सूत्र के द्वारा निकाला जाता।पिछले वर्ष का लाभ/औसत लाभ x आनुपातिक अवधि x सेवानिवृत्त/मृत साझेदार का लाभ अनुपात

31 मार्च, 2021 को समाप्त हो रहे वर्ष के लिए माईरा, शबनम और विपुल साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं।5 : 4 : 1 के अनुपात में लाभों का विभाजन करते हैं।इस वर्ष की समाप्ति पर फर्म का लाभ ₹ 1,00,000 है।शबनम की किन्हीं कारणवश 30 जून, 2021 को सेवानिवृत्ति/मृत्यु होती है।शबनम की सेवानिवृत्ति/मृत्यु के पश्चात् नया लाभ अनुपात 1: 1 तय हुआ है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अप्रैल 01 से जून 30, 2021 तक शबनम की लाभों में हिस्सेदारी की गणना इस प्रकार होगीमार्च 31, 2021 तक कुल लाभ = ₹ 1,00,000

शबनम का लाभों में हिस्सा = ₹ 1,00,000 x $\frac{3}{12} \times \frac{4}{10}$ = ₹ 10,000

रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी:

Profit & Loss Suspense A/c	Dr.	10,000	
To Shabnam's Capital A/c			10,000
(Shabnam's share of profit transferred to his Capital A/c)			

वैकल्पिक रूप से यदि शबनम की लाभों में हिस्सेदारी की गणना पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के आधार पर की जाती है, जो कि इस प्रकार है।

2018 - 2019	₹ 1,36,000
2019 – 2020	₹ 1,54,000
2021 - 2022	₹ 1,00,000

अतः अप्रैल 01 से 30 जून तक लाभ की गणना इस प्रकार है।

$$\text{औसत लाभ} = \frac{\text{कुल लाभ}}{\text{वर्षों की संख्या}}$$

$$= \frac{₹1,36,000 + ₹1,54,000 + ₹1,00,000}{3}$$

$$= ₹\frac{3,90,000}{3} = ₹\ 1,30,000$$

रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी:

Profit & Loss Suspense A/c	Dr.	13,000	
To Shabnam's Capital A/c			13,000

(2) विक्रय के आधार पर इस विधि के अन्तर्गत लाभ की गणना गत वर्ष के विक्रय (Sale) के आधार पर की जाती है।इसमें यह माना जाता है कि चालू वर्ष के विक्रय पर शुद्ध लाभ का अनुपात

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वही रहेगा जो गत वर्ष था।सेवानिवृत्त/मृत साझेदार का लाभ में हिस्सा निम्न सूत्र के द्वारा निकाला जायेगा।

$$\frac{\text{गत वर्ष का लाभ}}{\text{गत वर्ष का विक्रय}}$$

यदि अनुबन्ध यह कहता है कि सेवानिवृत्त साझेदार का हिस्सा बिक्री के आधार पर ज्ञात किया जाएगा, तो हिस्सेदारी की गणना इस प्रकार होगी।

अतः अप्रैल 01 से 30 जून, 2021 तक के लाभों में शबनम का हिस्सा इस प्रकार होगा।

$$\frac{1{,}00{,}000}{8{,}00{,}000} \times 1{,}50{,}000 \times \frac{4}{10} = ₹\ 7{,}500$$

संख्यात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 अपर्णा, मनीषा और सोनिया लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 में करते हुए साझेदार हैं।मनीषा सेवानिवृत्त होती है तथा फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 1,80,000 किया गया।अपर्णा तथा सोनिया भविष्य के लाभों का बँटवारा 3 : 2 के अनुपात में करने का निर्णय लेती हैं।आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर – Journal

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
	Aparna's Capital A/c Dr.		18,000	
	Sonia's Capital A/c Dr.		42,000	
	To Manisha's Capital A/c			60,000
	(Manisha's share of goodwill adjusted to remaining partners in gaining ratio of 3 : 7)			

Working Notes :

(1) ख्याति में मनीषा का लाभ = 1,80,000 x 2/6 = ₹ 60,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2) अभिलाभ अनुपात = नया अनुपात - पुराना अनुपात

अपर्णा का अभिलाभ अनुपात = $\frac{3}{5} - \frac{3}{6} = \frac{18-15}{30} = \frac{3}{30}$

सोनिया का अभिलाभ अनुपात = $\frac{2}{5} - \frac{1}{6} = \frac{\sqrt{2}-5}{30} = \frac{7}{30}$

अतः अभिलाभ अनुपात = 3 : 7

प्रश्न 2 संगीता, सरोज तथा शान्ति साझेदार हैं। लाभ व हानि का विभाजन अनुपात 2 : 3 : 5 है। फर्म की पुस्तकों में ख्याति का मूल्य ₹ 60,000 है। संगीता सेवानिवृत्त होती है। ख्याति का मूल्यांकन ₹ 90,000 हुआ। सरोज तथा शान्ति भविष्य में लाभ का विभाजन बराबर करने का निर्णय लेती हैं। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि का अभिलेखन करें।

उत्तर – Journal

Date	Particulars		L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
(1)	Sangeeta's Capital A/c	Dr.		12,000	
	Saroj's Capital A/c	Dr.		18,000	
	Shanti's Capital A/c	Dr.		30,000	
	To Goodwill A/c				60,000
	(Existing goodwill written off among old partners in old ratio)				
(2)	Saroj's Capital A/c	Dr.		18,000	
	To Sangeeta's Capital A/c				18,000
	(Sangeeta's share of goodwill adjusted from Saroj's capital account)				

Working Note :

1. ख्याति में संगीता का भाग = 90,000 x 2 = ₹ 18,000
2. अभिलाभ अनुपात = नया अनुपात - पुराना अनुपात
3. सरोज का अभिलाभ अनुपात = $\frac{1}{2} - \frac{3}{10} = \frac{5-3}{10} = \frac{2}{10}$
4. शान्ति का अभिलाभ अनुपात = $\frac{1}{2} - \frac{5}{10} = \frac{5-5}{10}$ = 0

प्रश्न 3 हिमांशु, गगन और नमन साझेदार हैं। उनका लाभ व हानि विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 है। 31 मार्च, 2017 को नमन सेवानिवृत्त होता है। इस तिथि को फर्म की विभिन्न परिसम्पत्तियाँ

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तथा दायित्व इस प्रकार हैं रोकड़ ₹ 10,000, भवन ₹ 1,00,000, संयंत्र तथा मशीनरी ₹ 40,000, स्टॉक ₹ 20,000, देनदार ₹ 20,000 तथा विनियोग ₹ 30,000 है।

नमन के सेवानिवृत्त होने पर साझेदारों के बीच निम्न पर सहमति हुई:

(i) भवन का मूल्य 20% से बढ़ाया जायेगा।

(ii) संयंत्र तथा मशीनरी पर 10% का ह्रास लगेगा।

(iii) देनदारों पर डूबत तथा संदिग्ध ऋण के लिए 5% का प्रावधान होगा।

(iv) स्टॉक का मूल्यांकन ₹ 18,000 तथा विनियोगों का ₹ 35,000 हुआ।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि का अभिलेखन करते हुए इनका प्रभाव दर्शाइए तथा पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार करें।

उत्तर –

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
			₹	₹
(1)	Building A/c Dr.		20,000	
	Investment A/c Dr.		5,000	
	To Revaluation A/c			25,000
	(Value of Building and Investment increased at the time of Naman's retirement)			
(2)	Revaluation A/c Dr.		7,000	
	To Plant and Machinery A/c			4,000
	To Provision for Bad and Doubtful Debts A/c			1,000
	To Stock A/c			2,000
	(Assets revalued and Provisin for Bad and Doubtful Debts made at the time of Naman's retirement)			
(3)	Revaluation A/c Dr.		18,000	
	To Himanshu's Capital A/c			9,000
	To Gagan's Capital A/c			6,000
	To Naman's Capital A/c			3,000
	(Profit on revaluation transferred to all Partners' Capital Accounts in their old profit sharing ratio)			

Revaluation A/C:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Plant and Machinery		4,000	By Building	20,000
To Stock		2,000	By Investment	5,000
To Provision for Bad and Doubtful Debts		1,000		
To Profit transferred to Capital Accounts :				
Himanshu	9,000			
Gagan	6,000			
Naman	3,000	18,000		
		25,000		25,000

प्रश्न 4 नरेश, राजकुमार तथा विश्वजीत बराबर के साझेदार हैं।राजकुमार सेवानिवृत्त होने का निर्णय लेता है।सेवानिवृत्ति की तिथि को फर्म का तुलन पत्र इस प्रकार दर्शाया जाता है:

सामान्य संचय ₹ 36,000 तथा लाभ एवं हानि खाता (नाम) ₹ 15,0001 उपर्युक्त का प्रभाव दर्शाते हुए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि का अभिलेखन करें।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars		L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
(1)	General Reserve A/c	Dr.		36,000	
	To Naresh's Capital A/c				12,000
	To Raj Kumar's Capital A/c				12,000
	To Bishwajeet's Capital A/c				12,000
	(General reserve distributed among all partners in old ratio)				
(2)	Naresh's Capital A/c	Dr.		5,000	
	Raj Kumar's Capital A/c	Dr.		5,000	
	Bishwajeet's Capital A/c	Dr.		5,000	
	To Profit and Loss A/c				15,000
	(Loss distributed among all partners in old ratio)				

प्रश्न 5 दिग्विजय, बृजेश तथा पराक्रम फर्म में साझेदार हैं जिनका लाभ विभाजन अनुपात 2 : 2 : 1 है।31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार है:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दायित्व (Liabilities)	राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
लेनदार (Creditors)	49,000	रोकड़ (Cash)	8,000
संचय (Reserves)	18,500	देनदार (Debtors)	19,000
दिग्विजय की पूँजी (Digvijay's Capital)	82,000	स्टॉक (Stock)	42,000
बृजेश की पूँजी (Brijesh's Capital)	60,000	भवन (Buildings)	2,07,000
पराक्रम की पूँजी (Parakaram's Capital)	75,500	पेटेंट (Patents)	9,000
	2,85,000		2,85,000

31 मार्च, 2017 को बृजेश निम्न शर्तों पर सेवानिवृत्त होता है:

(i) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 70,000 हुआ तथा पुस्तकों में नहीं दर्शाया जाएगा।

(ii) ₹ 2,000 मूल्य के डूबत ऋण को अपलिखित किया।

(iii) पेटेंट को मूल्य रहित माना जाएगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के खाते तथा बृजेश के सेवानिवृत्त होने के बाद दिग्विजय तथा पराक्रम का तुलन पत्र तैयार करें।

उत्तर – Revaluation A/c :

Dr. Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Bad Debts	2,000	By Loss transferred to Capital Accounts :	
To Patents	9,000	Digvijay	4,400
		Brijesh	4,400
		Parakaram	2,200
	11,000		11,000

Partners' Capital Accounts:

SHIVOM CLASSES 8696608541

Dr. Cr.

Particulars	Digvijay ₹	Brijesh ₹	Parakaram ₹	Particulars	Digvijay ₹	Brijesh ₹	Parakaram ₹
To Brijesh's Capital A/c	18,667		9,333	By Balance b/d	82,000	60,000	75,500
To Revaluation (Loss)	4,400	4,400	2,200	By Digvijay's Capital A/c	–	18,667	–
To Brijesh's Loan		91,000		By Parakaram's Capital A/c	–	9,333	–
To Balance c/d	66,333		67,667	By Reserves	7,400	7,400	3,700
	89,400	95,400	79,200		89,400	95,400	79,200

Balance Sheet :

Liabilities	Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors	49,000	Cash		8,000
Brijesh's Loan	91,000	Debtors	19,000	
Digvijay's Capital	66,333	*Less* : Bad Debts	2,000	17,000
Parakaram's Capital	67,667	Stock		42,000
		Buildings		2,07,000
	2,74,000			2,74,000

Working Notes:

1. बृजेश को भुगतान करने हेतु पर्याप्त कोष उपलब्ध नहीं है, अतः उसके पूँजी खाते के शेष को उसके ऋण खाते में हस्तान्तरित किया गया है।
2. ख्याति में बृजेश का हिस्सा = 70,000 x 2/5 = 28,000
3. अभिलाभ अनुपात = नया अनुपात – पुराना अनुपात

दिग्विजय का अभिलाभ अनुपात = $\frac{2}{3} - \frac{2}{5} = \frac{10-6}{15}$ = 4/15

पराक्रम का अभिलाभ अनुपात = $\frac{1}{3} - \frac{1}{5} = \frac{5-3}{15}$ = 2/15

अतः दिग्विजय और पराक्रम का अभिलाभ अनुपात = 4 : 2 or 2 : 1

प्रश्न 6 राधा, शीला तथा मीना साझेदार हैं।उनका लाभ तथा हानि विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 है।1 अप्रैल, 2017 को शीला फर्म से सेवानिवृत्त होती है।इस तिथि को फर्म का तुलन पत्र निम्न प्रकार है:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
व्यापारिक लेनदार (Trade Creditors)		3,000	हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	1,500
देय विपत्र (Bills Payable)		4,500	बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	7,500
बकाया व्यय (Expenses Owing)		4,500	देनदार (Debtors)	15,000
सामान्य संचय (General Reserve)		13,500	स्टॉक (Stock)	12,000
पूँजी (Capitals) :			कारखाना परिसर (Factory Premises)	22,500
राधा (Radha)	15,000		यंत्र (Machinery)	8,000
शीला (Sheela)	15,000		खुले औजार (Loose Tools)	4,000
मीना (Meena)	15,000	45,000		
		70,500		70,500

शर्तें निम्न हैं:

(अ) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 13,500 है।

(ब) बकाया व्यय ₹ 3,750 तक कम हुए।

(स) मशीनरी तथा खुले औजार का मूल्यांकन पुस्तक मूल्य से 10% कम होगा।

(द) कारखाना परिसर का पुनर्मूल्यांकन ₹ 24,300 हुआ। तैयार करें : 1. पुनर्मूल्यांकन खाता, 2. साझेदारों के पूँजी खाते, तथा 3. शीला के सेवानिवृत्त होने के बाद फर्म का तुलन पत्र।

उत्तर –

Revaluation A/c:

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Machinery		800	By Expenses Owing	750
To Loose Tools		400	By Factory Premises	1,800
To Profit transferred to Capital Accounts :				
Radha	675			
Sheela	450			
Meena	225	1,350		
		2,550		2,550

SHIVOM CLASSES 8696608541

Partners' Capital Accounts:

Dr. Cr.

Particulars	Radha ₹	Sheela ₹	Meena ₹	Particulars	Radha ₹	Sheela ₹	Meena ₹
To Sheela's Capital A/c	3,375	--	1,125	By Balance b/d	15,000	15,000	15,000
To Sheela's Loan A/c	--	24,450	--	By General Reserve	6,750	4,500	2,250
To Balance c/d	19,050	--	16,350	By Revaluation (Profit)	675	450	225
				By Radha's Capital A/c	--	3,375	--
				By Meena's Capital A/c	--	1,125	--
	22,425	24,450	17,475		22,425	24,450	17,475

balance sheet as on April 1, 2017:

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Trade Creditors		3,000	Cash in Hand		1,500
Bills Payable		4,500	Cash at Bank		7,500
Expenses Owing		3,750	Debtors		15,000
Sheela's Loan		24,450	Stock		12,000
Capitals :			Factory Premises		24,300
Radha	19,050		Machinery	8,000	
Meena	16,350	35,400	*Less* : 10%	800	7,200
			Loose Tools	4,000	
			Less : 10%	400	3,600
		71,100			71,100

Working Notes :

- ख्याति में शीला का भागफर्म की कुल ख्याति x सेवानिवृत्त होने वाले साझेदार का भाग = 13,500 x 2/5 = ₹ 4,500
- यहाँ राधा एवं मीना का अभिलाभ अनुपात 3 : 1 है।

प्रश्न 7 पंकज, नरेश तथा सौरभ साझेदार हैं।उनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 है।नरेश ने बीमारी के कारण फर्म से सेवानिवृत्ति ली।इस तिथि का फर्म का तुलन पत्र निम्न है:

SHIVOM CLASSES 8696608541

पंकज, नरेश और सौरभ की पुस्तकें

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (Balance Sheet):

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)		राशि (Amount) ₹
सामान्य संचय (General Reserve)		12,000	बैंक (Bank)		7,600
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		15,000	देनदार (Debtors)	6,000	
देय विपत्र (Bills Payable)		12,000	घटाया : संदिग्ध ऋणों के		
बकाया वेतन (Outstanding Salary)		2,200	लिए प्रावधान (*Less* : Provision		
कानूनी हानि के लिए प्रावधान			for Doubtful Debts)	(400)	5,600
(Provision for Legal Damages)		6,000	स्टॉक (Stock)		9,000
पूँजी (Capitals) :			फर्नीचर (Furniture)		41,000
पंकज (Pankaj)	46,000		परिसर (Premises)		80,000
नरेश (Naresh)	30,000				
सौरभ (Saurabh)	20,000	96,000			
		1,43,200			1,43,200

अतिरिक्त सूचनाएँ :

(i) परिसर का मूल्य 20% अधिक हुआ, स्टॉक 10% से कम हुआ तथा देनदारों पर संदिग्ध ऋण के लिए 5% का प्रावधान करें। कानून से हानि के लिए ₹ 1,200 का प्रावधान बनाएँ तथा फर्नीचर का मूल्य ₹ 45,000 तक लाया गया।

(ii) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 42,000 किया गया।

(iii) नरेश के पूँजी खाते से ₹ 26,000 का ऋण में हस्तान्तरण किया गया तथा शेष का भुगतान बैंक से किया गया। यदि आवश्यक हुआ तो बैंक से ऋण लिया जाएगा।

(iv) पंकज तथा सौरभ ने यह निर्णय लिया कि लाभ व हानि के विभाजन का नया अनुपात 5 : 1 होगा। नरेश के सेवानिवृत्त होने के बाद आवश्यक बही खाता तथा तुलन पत्र तैयार करें।

उत्तर –

Revaluation A/c:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Stock		900	By Premises	16,000
To Provision for Legal Damages		1,200	By Provision for Doubtful Debts	100
To Profit on Revaluation transferred to :			By Furniture	4,000
Pankaj's Capital A/c	9,000			
Naresh's Capital A/c	6,000			
Saurabh's Capital A/c	3,000	18,000		
		20,100		20,100

Partners' Capital Accounts:

Dr. Cr.

Particulars	Pankaj ₹	Naresh ₹	Saurabh ₹	Particulars	Pankaj ₹	Naresh ₹	Saurabh ₹
To Naresh's Capital A/c	14,000	--	--	By Balance b/d	46,000	30,000	20,000
To Naresh's Loan A/c	--	26,000	--	By General Reserve	6,000	4,000	2,000
To Bank	--	28,000	--	By Revaluation (Profit)	9,000	6,000	3,000
To Balance c/d	47,000	--	25,000	By Pankaj's Capital A/c	--	14,000	--
	61,000	54,000	25,000		61,000	54,000	25,000

Bank Account:

Dr. Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Balance b/d	7,600	By Naresh's Capital A/c	28,000
To Bank Loan (*Balancing Figure*)	20,400		
	28,000		28,000

Balance Sheet as on March 31, 2017:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Sundry Creditors		15,000	Debtors	6,000	
Bills Payable		12,000	*Less* : Provision for		
Outstanding Salary		2,200	Doubtful Debts	300	5,700
Provision for Legal Damages		7,200	Stock		8,100
Bank Loan		20,400	Furniture		45,000
Naresh's Loan		26,000	Premises		96,000
Capitals :					
Pankaj	47,000				
Saurabh	25,000	72,000			
		1,54,800			1,54,800

Working Notes:

- ख्याति में नरेश का भाग
- अभिलाभ अनुपात

= 42,000 x 2/6 = ₹ 14,000

पंकज का अभिलाभ = $\frac{5}{6} - \frac{3}{6} = \frac{2}{6}$

सौरभ का अभिलाभ = $\frac{1}{6} - \frac{1}{6} = 0$

यहाँ केवल पंकज ने अभिलाभ प्राप्त किया है। अतः नरेश की ख्याति की राशि को केवल पंकज ही वहन करेगा।

प्रश्न 8 पुनीत, पंकज तथा पम्मी व्यापार में साझेदार हैं, अपना लाभ तथा हानि विभाजन 2 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार है: पुनीत, पंकज तथा पम्मी की पुस्तकें

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (Balance Sheet):

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		1,00,000	बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	20,000
पूँजी खाते (Capital Accounts) :			स्टॉक (Stock)	30,000
पुनीत (Puneet)	60,000		विविध देनदार (Sundry Debtors)	80,000
पंकज (Pankaj)	1,00,000		विनियोग (Investments)	70,000
पम्मी (Pammy)	40,000	2,00,000	फर्नीचर (Furniture)	35,000
संचय (Reserve)		50,000	भवन (Buildings)	1,15,000
		3,50,000		3,50,000

30 सितम्बर, 2017 को पम्मी की मृत्यु हो गई।साझेदारी संलेख में निम्न पूर्व निर्दिष्ट हैं :

(i) मृत साझेदार मृत्यु की तिथि तक के लाभ का अधिकारी होगा जिसकी गणना पिछले वर्ष के लाभ आधार पर होगी।

(ii) वह फर्म में अपने भाग की ख्याति का अधिकारी होगा जिसकी गणना गत चार वर्षों के औसत लाभ के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर की जाएगी।गत चार वित्तीय वर्षों का लाभ इस प्रकार है।

2013 - 14 के लिए ₹ 80,000, 2014 - 15 के लिए ₹ 50,000, 2015 - 16 के लिए ₹ 40,000, 2016 - 17 के लिए ₹ 30,000।

(iii) मृत्यु की तिथि तक मृत साझेदार के आहरण ₹ 10,000 थे।पूँजी पर ब्याज 12% प्रतिवर्ष दिया जाएगा।

शेष साझेदार उसके उत्तराधिकारी को ₹ 15,400 का भुगतान तुरन्त करने के लिए सहमत हो जाते हैं और बकाया शेष 12% प्रतिवर्ष ब्याज सहित चार बराबर वार्षिक किश्तों में दिया जाएगा।

पम्मी का पूँजी खाता, उसके उत्तराधिकारी का खाता देय राशि के निपटारे की तिथि तक दिखाइए।

उत्तर – Pammy's Capital Account:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Pammy's Capital Account Cr.

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Drawings	10,000	By Balance b/d	40,000
To Pammy's Executor's A/c	75,400	By Profit and Loss Suspense A/c	3,000
		By Puneet's Capital A/c (Goodwill)	15,000
		By Pankaj's Capital A/c (Goodwill)	15,000
		By Interest on Capital (6 Months)	2,400
		By Reserve	10,000
	85,400		85,400

Pammy's Executor's A/C:

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2017 Sept. 30	To Bank A/c		15,400	2017 Sept. 30	By Pammy's Capital A/c		75,400
2018 Mar. 31	To Balance c/d		63,600	2018 Mar. 31	By Interest (On 60,000 for 6 months)		3,600
			79,000				79,000
2018 Sept. 30	To Bank A/c (15,000 + 3,600 + 3,600)		22,200	2018 April 1	By Balance b/d		63,600
2019 Mar. 31	To Balance c/d		47,700	Sept. 30	By Interest (On 60,000 for 6 months)		3,600
				2019 Mar. 31	By Interest (On 45,000 for 6 months)		2,700
			69,900				69,900
2019 Sept. 30	To Bank A/c (15,000 + 2,700 + 2,700)		20,400	2019 April 1	By Balance b/d		47,700
2020 Mar. 31	To Balance c/d		31,800	Sept. 30	By Interest		2,700
				2020 Mar. 31	By Interest (On 30,000 for 6 months)		1,800
			52,200				52,200
2020 Sept. 30	To Bank A/c (15,000 + 1,800 + 1,800)		18,600	2020 April 1	By Balance b/d		31,800
				Sept. 30	By Interest		1,800
				2021			

SHIVOM CLASSES 8696608541

2021 Mar. 31	To Balance c/d		15,900	Mar. 31	By Interest (On 15,000 for for 6 months)		900
			34,500				34,500
2021 Sept. 30	To Bank A/c (15,000 + 900 + 900)		16,800	2021 April 1 Sept. 30	By Balance b/d By Interest		15,900 900
			16,800				16,800

Working Notes:

(1) लाभ में पम्मी का हिस्सा = 30,000 x $\frac{6}{12} \times \frac{1}{5}$ =₹ 3,000

(2) कुल ख्याति = $\frac{80{,}000+50{,}000+40{,}000+30{,}000}{4} \times 3$

= ₹ 1,50,000

ख्याति में पम्मी का हिस्सा = 1,50,000 x 1/5 = 30,000

(3) मृत साझेदार की ख्याति की राशि का शेष साझेदारों द्वारा वहन:

पुनीत

= 30,000 x 1/2 = ₹ 15,000

पंकज

= 30.000 x 1/2 = ₹ 15,000

प्रश्न 9 31 मार्च, 2017 को प्रतीक, रॉकी तथा कुशल का तुलन पत्र निम्न प्रकार है:

प्रतीक, रॉकी और कुशल की पुस्तकें

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (Balance Sheet):

SHIVOM CLASSES 8696608541

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		16,000	प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	16,000
सामान्य संचय (General Reserve)		16,000	फर्नीचर (Furniture)	22,600
पूँजी खाते (Capital Accounts) :			स्टॉक (Stock)	20,400
प्रतीक (Prateek)	30,000		विविध देनदार (Sundry Debtors)	22,000
रॉकी (Rockey)	20,000		बैंकस्थ रोकड़ (Cash at Bank)	18,000
कुशल (Kushal)	20,000		हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	3,000
		1,02,000		1,02,000

30 जून, 2017 को रॉकी की मृत्यु हो गई।साझेदारी संलेख की शर्तों के अनुसार, मृत साझेदार का उत्तराधिकारी निम्न का अधिकारी होगा:

(अ) साझेदार के पूँजी खाते के जमा शेष का।

(ब) पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष ब्याज का।

(स) गत तीन वर्षों के औसत लाभ के दोगुने के आधार पर ख्याति में भाग।

(द) गत वर्ष के लाभ के आधार पर गत वित्तीय वर्ष की समाप्ति से मृत्यु की तिथि तक लाभ में भाग।

31 मार्च, 2015, 31 मार्च, 2016 तथा 31 मार्च, 2017 को समाप्त 'वर्ष के लाभ क्रमश: ₹ 12,000 , ₹ 16,000 तथा ₹ 14,000 हैं।लाभ का विभाजन पूँजी अनुपात में किया जाएगा।

आवश्यक रोजनामचा प्रबिष्टियाँ देवें तथा रॉकी का पूँजी खाता बनाएँ जो कि उसके उत्तराधिकारी को दिया जाएगा।

उत्तर – Journal Date:

SHIVOM CLASSES 8696608541

Date	Particulars		L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
2017 June 30	Interest on Capital A/c	Dr.		250	
	Profit and Loss Suspense A/c	Dr.		1,000	
	General Reserve A/c	Dr.		4,571	
	To Rockey's Capital A/c				5,821
	(Interest on capital, share of profit and share of general reserve credited to Rockey's Capital Account)				
June 30	Prateek's Capital A/c	Dr.		4,800	
	Kushal's Capital A/c	Dr.		3,200	
	To Rockey's Capital A/c				8,000
	(Rockey's share of goodwill adjusted to Prateek's and Kushal's Capital Account in their gaining ratio 3 : 2)				
June 30	Rockey's Capital A/c	Dr.		33,821	
	To Rockey's Executor's A/c				33,821
	(Balance of Rockey's Capital Account transferred to his executor's account)				

Rockey's Capital A/C:

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2017 June 30	To Rockey's Executor A/c		33,821	2017 April 1	By Balance b/d		20,000
				June 30	By Interest on Capital $(20{,}000 \times \frac{5}{100} \times \frac{3}{12})$		250
					By Profit and Loss Suspense A/c		1,000
					By General Reserve		4,571
					By Prateek's Capital (Goodwill)		4,800
					By Kushal's Capital (Goodwill)		3,200
			33,821				33,821

Working Notes:

(1) लाभ में रॉकी का भाग = 14,000 x $\frac{3}{12} \times \frac{2}{7}$ = ₹ 1,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2) फर्म की कुल ख्याति = $\frac{12,000+16,000+14,000}{3} \times 2$ = ₹ 28,000

ख्याति में रॉकी का भाग = 28,000 x 2/7 = ₹ 8,000

बचे हुए साझेदार अपने अभिलाभ अनुपात (3 : 2) में मृत साझेदार रॉकी की ख्याति की राशि का वहन करेंगे:

प्रतीक = 8,000 x 3/5 = ₹ 4.800

कुशल = 8,000 x 2/5 = ₹ 3,200

प्रश्न 10 नारंग, सूरी और बजाज एक फर्म में साझेदार हैं।उनका लाभ तथा हानि विभाजन क्रमशः और 1 है।1 अप्रैल, 2017 को तुलन पत्र इस प्रकार है:

नारंग, सरी और बजाज की पुस्तकें

1 अप्रैल, 2017 को तुलन पत्र (Balance Sheet):

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)		राशि (Amount) ₹
देय विपत्र (Bills Payable)		12,000	पूर्ण स्वामित्व परिसर (Freehold Premises)		40,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		18,000	मशीनरी (Machinery)		30,000
संचय (Reserve)		12,000	फर्नीचर (Furniture)		12,000
पूँजी खाते (Capitals Accounts) :			स्टॉक (Stock)		22,000
नारंग (Narang)	30,000		विविध देनदार (Sundry Debtors)	20,000	
सूरी (Suri)	30,000		घटाया : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान (Less : Reserve for Bad Debts)	(1,000)	19,000
बजाज (Bajaj)	28,000	88,000	रोकड़ (Cash)		7,000
		1,30,000			1,30,000

बजाज फर्म से सेवानिवृत्त हुआ तथा साझेदार निम्न पर सहमत हुए:

(अ) पूर्ण स्वामित्व परिसर तथा स्टॉक का मूल्यांकन क्रमशः 10% तथा 15% अधिक पर हुआ।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ब) मशीनरी तथा फर्नीचर का मूल्यांकन क्रमशः 10% तथा 7% कम पर हुआ।

(स) डूबत ऋण के लिए प्रावधान ₹ 1,500 तक बढ़ाया गया।

(द) बजाज के सेवानिवृत्त होने पर ख्याति का मूल्यांकन ₹ 21,000 पर हुआ।

(य) विद्यमान साझेदारों ने यह निर्णय लिया कि बजाज की सेवानिवृत्ति के बाद पूँजी को नए लाभ - हानि विभाजन अनुपात के अनुसार समायोजित करेंगे।पूँजी खाते में आधिक्य/कमी को चालू खातों के द्वारा समायोजित किया जाएगा।

पुनर्गठित फर्म का तुलन पत्र तथा आवश्यक बही खाते तैयार करें।

उत्तर –

Dr. **Revaluation Account** Cr.

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Machinery		3,000	By Freehold Premises	8,000
To Furniture		840	By Stock	3,300
To Provision for Bad Debts		500		
To Profit transferred to				
Narang's Capital A/c	3,480			
Suri's Capital A/c	1,160			
Bajaj's Capital A/c	2,320	6,960		
		11,300		11,300

Partners' Capital Accounts:

SHIVOM CLASSES 8696608541

Dr. Cr.

Particulars	Narang ₹	Suri ₹	Bajaj ₹	Particulars	Narang ₹	Suri ₹	Bajaj ₹
To Bajaj's Capital A/c	5,250	1,750	--	By Balance b/d	30,000	30,000	28,000
To Bajaj's Loan A/c (*Bal. Fig.*)	--	--	41,320	By Reserves	6,000	2,000	4,000
To Suri's Current A/c (*Bal. Fig.*)	--	15,000	--	By Revaluation (Profit)	3,480	1,160	2,320
To Balance c/d	49,230	16,410	--	By Narang's Capital A/c (Goodwill)	--	--	5,250
				By Suri's Capital A/c (Goodwill)	--	--	1,750
				By Narang's Current A/c (*Bal. Fig.*)	15,000	--	--
	54,480	33,160	41,320		54,480	33,160	41,320

Balance Sheet as on April 1, 2017 Amount

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Bills Payable		12,000	Freehold Premises		48,000
Sundry Creditors		18,000	Machinery		27,000
Bajaj's Loan		41,320	Furniture		11,160
Suri's Current A/c		15,000	Stock		25,300
Capital Accounts :			Sundry Debtors	20,000	
Narang	49,230		*Less* : Provision for Bad Debts	(1,500)	18,500
Suri	16,410	65,640	Cash		7,000
			Narang's Current A/c		15,000
		1,51,960			1,51,960

Working Notes :

(1) पुराना लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{1}{2} : \frac{1}{6} : \frac{1}{3}$ or $\frac{3:1:2}{6}$ or 3;1:2

(2) ख्याति में बजाज का भाग = 21,000 x 2/6 = ₹ 7,000

(3) प्रश्ने में चूँकि केवल पुराना अनुपात ही दिया गया है अतः अभिलाभ अनुपात भी पुराना अनुपात ही रहेगा = 3 : 1

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(4) सेवानिवृत्त होने वाले साझेदार की ख्याति शेष साझेदारों द्वारा निम्न प्रकार वहन की जायेगी

नारंग का हिस्सा . = 7,000 x 3/4 = ₹ 5,250

सूरी का हिस्सा = 7,000 x 1/4 = ₹ 1,750

(5) शेष साझेदारों की नई पूँजी की गणनासमायोजन के पश्चात् पूँजी नारंग

नारंग	= 34,230
सूरी	= 31,410
फर्म की नई पूँजी	= 65,640

(6) शेष साझेदारों का पूँजी में लाभ विभाजन अनुपात में हिस्सा

नारंग की नई पूँजी = 65,640 x 3/4 = ₹ 49,230

सूरी की नई पूँजी = 65,640 x 1/4 = ₹ 16,410

प्रश्न 11 31 मार्च, 2017 को राजेश, प्रमोद तथा निशान्त का तुलन पत्र निम्न है, जो कि अपने लाभ को पूँजी के अनुसार विभाजित करते हैं:

'राजेश, प्रमोद तथा निशान्त की पुस्तकें

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (Balance Sheet):

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)		राशि (Amount) ₹
देय विपत्र (Bills Payable)		6,250	कारखाना भवन (Factory Building)		12,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		10,000	देनदार (Debtors)	10,500	
सामान्य संचय (General Reserves)		2,750	घटाया : संदिग्ध ऋणों पर प्रावधान		
पूँजी खाते (Capital Accounts) :			(*Less* : Provision for		
राजेश (Rajesh)	20,000		Doubtful Debts)	500	10,000
प्रमोद (Pramod)	15,000		प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)		7,000
निशान्त (Nishant)	15,000	50,000	स्टॉक (Stock)		15,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

		संयंत्र व मशीनरी (Plant and Machinery)	11,500
		बैंक शेष (Bank Balance)	13,000
	69,000		69,000

तुलन पत्र की तिथि को प्रमोद सेवानिवृत्त होता है तथा निम्न समायोजन किए जाएँगे:

(अ) स्टॉक का मूल्यांकन पुस्तक मूल्य से 10% कम पर होगा।

(ब) कारखाना भवन का 12% अधिक पर मूल्यांकन होगा।

(स) संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान का 5% तक प्रावधान करें।

(द) कानूनी प्रभार का संचय ₹ 265 तक बनाया जाएगा।

(य) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 10,000 होगा।

(र) नयी फर्म की पूँजी ₹ 30,000 होगी। विद्यमान साझेदार निर्णय लेते हैं कि उनकी पूँजी नए लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 के अनुसार होगी।

प्रमोद के पूँजी खाते को ऋण खाते में हस्तान्तरित करने के पश्चात् पुनर्गठित फर्म का तुलन पत्र तैयार करें तथा रोजनामचा प्रविष्टि दें।

उत्तर – Journal

Date	Particulars		L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
2017 Mar. 31	General Reserve A/c	Dr.		2,750	
	To Rajesh's Capital A/c				1,100
	To Pramod's Capital A/c				825
	To Nishant's Capital A/c				825
	(General Reserve distributed in old ratio)				
Mar. 31	Revaluation A/c	Dr.		1,840	
	To Stock A/c				1,550
	To Provision for Doubtful Debts A/c				25
	To Provision for Legal Charges A/c				265
	(Assets and liabilities revalued)				
Mar. 31	Factory Building A/c	Dr.		1,440	
	To Revaluation A/c				1,440
	(Factory building appreciated)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Mar. 31	Rajesh's Capital A/c Dr.		160	
	Pramod's Capital A/c Dr.		120	
	Nishant's Capital A/c Dr.		120	
	To Revaluation A/c			400
	(Loss on revaluation debited to partners' capital accounts)			
Mar. 31	Rajesh's Capital A/c Dr.		2,000	
	Nishant's Capital A/c Dr.		1,000	
	To Pramod's Capital A/c			3,000
	(Pramod's share of godwill adjusted)			
Mar. 31	Pramod's Capital A/c Dr.		18,705	
	To Pramod's Loan A/c			18,705
	(Pramod's capital a/c transferred to his loan account)			
Mar. 31	Rajesh Capital A/c Dr.		940	
	Nishant's Capital A/c Dr.		2,705	
	To Bank A/c			3,645
	(Excess in capital accounts transferred to current accounts)			

Revaluation A/C:

Dr. **Cr.**

Particulars	Amount ₹	Particulars		Amount ₹
To Stock	1,550	By Factory Building		1,440
To Provision for Doubtful Debts	25	By Loss transferred to Capital A/cs :		
To Provision for Legal Charges	265	Rajesh	160	
		Pramod	120	
		Nishant	120	400
	1,840			1,840

Partners' Capital Accounts:

Dr. **Cr.**

Particulars	Rajesh ₹	Pramod ₹	Nishant ₹	Particulars	Rajesh ₹	Pramod ₹	Nishant ₹
To Revaluation (Loss)	160	120	120	By Balance b/d	20,000	15,000	15,000
To Pramod's Capital A/c	2,000	--	1,000	By General Reserve	1,100	825	825
To Pramod's Loan A/c	--	18,705	--	By Rajesh's Capital A/c	--	2,000	--
To Balance c/d	18,940	--	14,705	By Nishant's Capital A/c	--	1,000	--
	21,100	18,825	15,825		21,100	18,825	15,825

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

To Bank A/c (*Bal. Fig.*)	940	--	--	By Balance b/d	18,940	--	14,705
To Bank A/c (*Bal. Fig.*)	--	--	2,705				
To Balance c/d	18,000	--	12,000				
	18,940	--	14,705		18,940	--	14,705

Balance Sheet as on March 31, 2017 :

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Bills Payable		6,250	Factory Building		13,440
Sundry Creditors		10,000	Plant and Machinery		11,500
Provision for Legal Charges		265	Debtors	10,500	
Pramod's Loan		18,705	*Less* : Provision	(525)	9,975
Capital Accounts :			Bills Receivable		7,000
Rajesh	18,000		Stock		13,950
Nishant	12,000	30,000	Bank Balance		
			(13,000 – 940 – 2,705)		9,355
		65,220			65,220

SHIVOM CLASSES 8696608541

Working Notes :

(1) ख्याति में प्रमोद का भाग =10,000 × 3/10=₹ 3,000

(2) अभिलाभ अनुपात

राजेश का अभिलाभ = $\frac{3}{5} - \frac{4}{10} = \frac{6-4}{10} = \frac{2}{10}$

निशान्त का अभिलाभ = $\frac{2}{5} - \frac{3}{10} = \frac{4-3}{10} = \frac{1}{10}$

अत: अभिलाभ अनुपात = 2 : 1

राजेश द्वारा वहन = $3,000 \times \frac{2}{3}$ = ₹ 2,000

निशान्त द्वारा वहन = $3,000 \times \frac{1}{3}$ = ₹ 1,000

(3) फर्म की कुल पूँजी

अत: राजेश की पूँजी होगी = $30,000 \times \frac{3}{5}$ = ₹ 18,000

निशान्त की पूँजी होगी = $30,000 \times \frac{2}{5}$ = ₹ 12,000

प्रश्न 12 31 मार्च, 2017 को जैन, गुप्ता और मलिक का तुलन पत्र निम्न है जैन, गुप्ता और मलिक की पुस्तकें

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (Balance Sheet):

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		19,800	भूमि और भवन (Land and Building)	26,000
टेलीफोन बिल बकाया (Telephone bills outstanding)		300	बॉण्ड (Bonds)	14,370
देय खाते (Accounts Payable)		8,950	रोकड़ (Cash)	5,500
लाभ व हानि (P & L)		16,750	प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	23,450
पूँजी (Capitals) :			विविध देनदार (Sundry Debtors)	26,700
जैन (Jain)	40,000		स्टॉक (Stock)	18,100
गुप्ता (Gupta)	60,000		कार्यालय फर्नीचर (Office Furniture)	18,250
मलिक (Malik)	20,000	1,20,000	संयंत्र व मशीनरी (Plants and Machinery)	20,230
			कम्प्यूटर (Computer)	13,200
		1,65,800		1,65,800

साझेदार अपने लाभ का विभाजन 5 : 3 : 2 के अनुपात में करते हैं।1 अप्रैल, 2017 को मलिक सेवानिवृत्त होने का निर्णय लेता है तथा व्यमपार में उसके भाग की गणना परिसम्पत्तियों और दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन की निम्न शर्तों पर करेंगे :

स्टॉक ₹ 20,000 , कार्यालय फर्नीचर ₹ 14,250 , संयंत्र तथा मशीनरी ₹ 23,530 , भूमि और भवन ₹ 20,0001

संदिग्ध ऋण के लिए ₹ 1,700 का प्रावधान बनाएँगे।फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 9,000 होगा।विद्यमान साझेदार मलिक को सेवानिवृत्ति पर ₹ 16,500 का रोकड़ भुगतान करने के लिए सहमत हुए।रोकड़ का योगदान विद्यमान साझेदार 3 : 2 के अनुपात में करेंगे।मलिक के पूँजी खाते के शेष को ऋण मानेंगे।

उत्तर – Revaluation A/C:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Particulars	Amount ₹	Particulars		Amount ₹ Cr.
To Office Furniture	4,000	By Stock		1,900
To Land and Building	6,000	By Plant and Machinery		3,300
To Provision for Doubtful Debts A/c	1,700	By Loss transferred to :		
		Jain's Capital A/c	3,250	
		Gupta's Capital A/c	1,950	
		Malik's Capital A/c	1,300	6,500
	11,700			11,700

Partners' Capital Accounts:

Dr. Particulars	Jain ₹	Gupta ₹	Malik ₹	Particulars	Jain ₹	Gupta ₹	Malik ₹ Cr.
To Revaluation A/c	3,250	1,950	1,300	By Balance b/d	40,000	60,000	20,000
To Malik's Capital A/c (Goodwill)	1,125	675	--	By P & L A/c	8,375	5,025	3,350
To Cash A/c	--	--	16,500	By Jain's Capital A/c (Goodwill)	--	--	1,125
To Malik's Loan A/c	--	--	7,350	By Gupta's Capital A/c (Goodwill)	--	--	675
To Balance c/d	53,900	69,000	--	By Cash A/c	9,900	6,600	--
	58,275	71,625	25,150		58,275	71,625	25,150

Balance Sheet as on April 31, 2017 : (Malik recruitment):

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Sundry Creditors		19,800	Cash		5,500
Telephone Bills Outstanding		300	Bills Receivables		23,450
Accounts Payable		8,950	Sundry Debtors	26,700	
Malik's Loan		7,350	*Less* : Provision	1,700	25,000
Capital Accounts :			Stock		20,000
Jain	53,900		Bonds		14,370
Gupta	69,000	1,22,900	Office Furniture		14,250
			Computers		13,200
			Plant and Machinery		23,530
			Land and Building		20,000
		1,59,300			1,59,300

SHIVOM CLASSES 8696608541

Working Notes :

(1) 3: 2 जैन तथा गुप्ता का नया लाभ अनुपात नहीं है बल्कि केवल ₹ 16,500 जो मलिक को देय हैं वे जैन तथा गुप्ता द्वारा 3: 2 में वहन किये जायेंगे।

(2) ख्याति में मलिक का भाग = $9,000 \times \frac{2}{10}$ = 1,800
जैन द्वारा वहन की गई ख्याति की राशि = $1,800 \times \frac{5}{8}$ = ₹ 1,125
गुप्ता द्वारा व्हन की गई ख्याति की राशि = $1,800 \times \frac{3}{8}$ = ₹ 675

प्रश्न 13 आरती, भारती और सीमा साझेदार हैं।उनका लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 है।मार्च 31 , 2017 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार है:

आरती, भारती और सीमा की पुस्तकें

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (Balance Sheet):

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
देय विपत्र (Bills Payable)		12,000	भवन (Buildings)	21,000
लेनदार (Creditors)		14,000	हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand)	12,000
सामान्य संचय (General Reserve)		12,000	बैंक (Bank)	13,700
पूँजी (Capitals) :			देनदार (Debtors)	12,000
आरती (Arti)	20,000		प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	4,300
भारती (Bharati)	12,000		स्टॉक (Stock)	1,750
सीमा (Seema)	8,000	40,000	विनियोग (Investment)	13,250
		78,000		78,000

12 जून, 2017 को भारती की मृत्यु हो गई, साझेदारी संलेख के अनुसार उसके उत्तराधिकारी को निम्न का भुगतान किया जाएगा:

(अ) उसकी मृत्यु के समय पूँजी खाते का जमा शेष 10% प्रति वर्ष की दर से ब्याज सहित।

(ब) संचय कोष में उसका आनुपातिक हिस्सा।

(स) इस समयावधि के लिए उसके भाग का लाभ इस समय हुए विक्रय पर आधारित है, जो कि

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

₹ 1,00,000 है।पिछले तीन वर्षो के दौरान विक्रय पर लाभ की दर 10% है।

(द) ख्याति की गणना उसके लाभ में भाग के अनुसार पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ में से 20% घटाकर

उसके दोगुने के बराबर की जाएगी।पिछले वर्षों का लाभ इस प्रकार है:

2015	₹ 8,200
2016	₹ 9,000
2017	₹ 9,800

विनियोग को ₹ 16,200 में विक्रय किया गया तथा उसके उत्तराधिकारी को भुगतान हुआ।आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि करें तथा भारती के उत्तराधिकारी का खाता बनाइए।

उत्तर –

Date	Particulars		L.F.	Amount Dr. ₹	Amount Cr. ₹
2017 June 12	Interest on Capital A/c	Dr.		240	
	To Bharti's Capital A/c				240
	(Interest credited to Bharati's Capital Account)				
June 12	General Reserve A/c	Dr.		4,000	
	To Bharti's Capital A/c				4,000
	(Transfer of Bharati's share of Reserve of her Capital Account)				
June 12	P & L Suspense A/c	Dr.		3,333	
	To Bharati's Capital A/c				3,333
	(Transfer of 2/6th share of profit i.e., ₹ 10,000 × 2/6)				
June 12	Arti's Capital A/c	Dr.		3,600	
	Seema's Capital A/c	Dr.		1,200	
	To Bharti's Capital A/c				4,800
	(Adjustment of Bharti's share of goodwill into the Capital Accounts of Arti and Seema in their gaining ratio i.e., 3 : 1)				
June 12	Bank A/c	Dr.		16,200	
	To Investments A/c				13,250
	To Profit on Sale of Investments A/c				2,950
	(Sale of investments)				

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

June 12	Bharti's Capital A/c Dr. To Bharti's Executor's A/c (Amount due to Bharti transferred to her Executor's Account)		24,373	24,373
June 12	Bharti's Executor's A/c Dr. To Bank A/c (Amount paid to Bharti's Executors)		24,373	24,373

Dr. Bharti's Capital Account Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017			2017		
June 12	To Bharti's Executor's A/c	24,373	April 1	By Balance b/d	12,000
			June 12	By Interest on Capital	240
			June 12	By General Reserve	4,000
			June 12	By P & L Suspense	3,333
			June 12	By Arti's Capital A/c	3,600
			June 12	By Seema's Capital A/c	1,200
		24,373			24,373

Dr. Bharti's Executor's Account Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2017 June 12	To Bank A/c	24,373	2017 June 12	By Bharti's Capital A/c	24,373

Working Notes :

(1) भारती की पूँजी पर ब्याज की गणना:

Number of days from April 1, 2017 to June 12, 2017 = 73

Interest on Capital = 12,000 $12,000 \times \frac{73}{365} \times \frac{10}{100}$ = 240

(2) ख्याति में भारती के भाग की गणना:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Average Profit =	$\frac{8,200 + 9,000 + 9,800}{3}$	=	9,000
Less : 20% of 9,000		=	1,800
			7,200
Goodwill = 7,200 × 2		=	₹ 14,400

Bharti's share of Goodwill =14,000 × 2/6 = ₹ 4,800

(3) लाभ में भारती का भाग:

$$1,00,000 \times \frac{10}{100} \times \frac{2}{6} = ₹\ 3,333$$

प्रश्न 14 नित्य, सत्य तथा मिथ्य साझेदार हैं जिनका लाभ व हानि विभाजन अनुपात 5 : 3 : 2 है।31 मार्च, 2017 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार है:

नित्य, सत्य और मिथ्य की पुस्तकें

31 मार्च, 2017 को तुलन पत्र (Balance Sheet):

दायित्व (Liabilities)		राशि (Amount) ₹	परिसम्पत्तियाँ (Assets)	राशि (Amount) ₹
लेनदार (Creditors)		14,000	विनियोग (Investments)	10,000
सामान्य संचय (Reserve Fund)		6,000	ख्याति (Goodwill)	5,000
पूँजी (Capitals) :			परिसर (Premises)	20,000
नित्य (Nithya)	30,000		पेटेंट (Patents)	6,000
सत्य (Sathya)	30,000		मशीनरी (Machinery)	30,000
मिथ्य (Mithya)	20,000	80,000	स्टॉक (Stock)	13,000
			देनदार (Debtors)	8,000
			बैंक (Bank)	8,000
		1,00,000		1,00,000

1 अगस्त, 2017 को मिथ्य की मृत्यु होती है।साझेदारों तथा मिथ्य के उत्तराधिकारी के बीच में समझौता इस प्रकार है:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन चार वर्ष के औसत लाभ के 2 1/2 गुणे के बराबर होगा।चार वर्ष का लाभ है: 2013 - 14 में ₹ 13,000, 2014 - 15 में ₹ 12,000,2015-16 में ₹ 16,000 तथा 2016 - 17 में ₹ 15,0001

(ब) पेटेंट का मूल्यांकन ₹ 8,000 , मशीनरी ₹ 25,000 तथा परिसर ₹ 25,000 हुआ।

(स) मिथ्य के हिस्से के लाभ की गणना वर्ष 2016 - 17 के लाभ के आधार पर होगी।

(द) ₹ 4,200 का तुरन्त भुगतान किया जाएगा तथा शेष राशि को 4 बराबर अर्ध-वार्षिक किश्तों में 10 % की दर से ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा।

उपरिलिखित के प्रभाव को दर्शाते हुए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियों का अभिलेखन करें तथा उत्तराधिकारी के खाते को दर्शाइये जब तक उसका पूर्ण भुगतान न हो।31 मार्च, 2017 को समायोजनों के प्रभाव के पश्चात्, नित्य तथा सत्य का तलन पत्र तैयार करें।

उत्तर – Journal:

Date	Particulars		L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
				₹	₹
2017 Aug. 1	Nithya's Capital A/c	Dr.		2,500	
	Sathya's Capital A/c	Dr.		1,500	
	Mithya's Capital A/c	Dr.		1,000	
	To Goodwill A/c				5,000
	(Being Goodwill written off)				
Aug. 1	Nithya's Capital A/c	Dr.		4,375	
	Sathya's Capital A/c	Dr.		2,625	
	To Mithya's Capital A/c				7,000
	(Mithya's share of goodwill adjusted in gaining ratio 5 : 3)				
Aug. 1	Reserve Fund A/c	Dr.		6,000	
	To Nithya's Capital A/c				3,000
	To Sathya's Capital A/c				1,800
	To Mithya's Capital A/c				1,200
	(Reserve Fund tansferred to partners' capital accounts)				
Aug. 1	Patents A/c	Dr.		2,000	
	Premises A/c	Dr.		5,000	
	To Revaluation A/c				7,000
	(Increase in the value of Patents and Premises)				
Aug. 1	Revaluation A/c	Dr.		5,000	
	To Machinery A/c				5,000
	(Value of machinery revalued)				

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Aug. 1	Revaluation A/c Dr. To Nithya's Capital A/c To Sathya's Capital A/c To Mithya's Capital A/c (Profit on revaluation transferred to Partner's Capital A/cs)		2,000	 1,000 600 400
Aug. 1	Profit & Loss Suspense A/c Dr. To Mithya's Capital A/c (Transfer of $\frac{2}{10}$th share of profit upto 1st August, 2017 *i.e.*, ₹ $15,000 \times \frac{2}{10} \times \frac{4}{12}$)		1,000	 1,000
Aug. 1	Mithya's Capital A/c Dr. To Mithya's Executor's A/c (Amount due to Mithya transferred to his Executor's Account)		28,600	 28,600
Aug. 1	Mithya's Executor's A/c Dr. To Bank A/c (Amount paid immediately)		4,200	 4,200

Dr. **Partners' Capital Accounts** **Cr.**

Date	Particulars	Nithya ₹	Sathya ₹	Mithya ₹	Date	Particulars	Nithya ₹	Sathya ₹	Mithya ₹
2017					2017				
Aug. 1	To Goodwill A/c	2,500	1,500	1,000	Apr. 1	By Balance b/d	30,000	30,000	20,000
Aug. 1	To Mithya's Capital A/c	4,375	2,625	–	Aug. 1	By Nithya's Capital A/c	–	–	4,375
Aug. 1	To Mithya's Executor's A/c	–	–	28,600	Aug. 1	By Sathya's Capital A/c	–	–	2,625
Aug. 1	To Balance c/d	27,125	28,275	–	Aug. 1	By Reserve Fund A/c	3,000	1,800	1,200
					Aug. 1	By Revaluation A/c	1,000	600	400
					Aug. 1	By Profit & Loss Suspense A/c (Share of Profit)	–	–	1,000
		34,000	32,400	26,900			34,000	32,400	26,900

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Balance Sheet
***as on 1-8-2017* (after Mithya's death)**

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors		14,000	Bank (₹ 8,000 – ₹ 4,200)	3,800
Mithya's Executor's A/c (28,600 – 4,200)		24,400	Debtors	8,000
Capital Accounts :			Stock	13,000
Nithya	27,125		Investments	10,000
Sathya	28,275	55,400	Machinery	25,000
			Patents	8,000
			Premises	25,000
			Profit & Loss Suspense A/c	1,000
		93,800		93,800

Dr. Mithya's Executor's Account Cr.

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
2019 Aug. 1	To Bank A/c	4,200	2019 Aug. 1	By Mithya's Capital A/c	28,600
2020 Feb. 1	To Bank A/c (1/4th of ₹ 24,400 + Interest ₹ 1,220)	7,320	2020 Feb. 1	By Interest A/c (10% p.a. on ₹ 24,400 for 6 months)	1,220
Mar. 31	To Balance c/d	18,605	Mar. 31	By Interest A/c (10% p.a. on ₹ 18,300 for 2 months)	305
		30,125			30,125
2020 Aug. 1	To Bank A/c (1/4th of ₹ 24,400 + 305 + 610)	7,015	2020 Apr. 1	By Balance b/d	18,605
			Aug. 1	By Interest A/c (10% p.a. on ₹ 18,300 for 4 months)	610
2021 Feb. 1	To Bank A/c (1/4th of ₹ 24,400 + Interest ₹ 610)	6,710	2021 Feb. 1	By Interest A/c (10% p.a. on ₹ 12,200 for 6 months)	
Mar. 31	To Balance c/d	6,202	Mar. 31	By Interest A/c (10% p.a. on ₹ 6,100 for 2 months)	102
		19,927			19,927

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2021 Aug. 1	To Bank A/c (1/4th of ₹ 24,400 + 102 + 203)	6,405	2021 Apr. 1 Aug. 1	By Balance b/d By Interest A/c (10% p.a. on ₹ 6,100 for 4 months)	6,202 203
		6,405			6,405

Working Note :

ख्याति में मिथ्य के हिस्से की गणना:

Total Profit = 13,000 + 12,000 + 16,000 + 15,000 = 56,000

Average Profit = 56,000 ÷ 4 = 14,000 So Goodwill = 14,000 × 5/2 = 35,000

Mithya's share of Goodwill = 35,000 × 2/10 = 7,000

SHIVOM CLASSES 8696608541